सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 119 | जौनपुर, बुधवार, 18 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

मुख्यमंत्री भजनलाल ने बीते एक वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा दिया: प्रधानमंत्री मोदी

जयपुर,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के जयपुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 1 वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा देने में भजनलाल जी और उनकी पूरी टीम ने बहुत परिश्रम किया है। ये पहला वर्ष एक प्रकार से आने वाले अनेक वर्षों को मजबूत नींव बना है। आज का उत्सव सरकार के एक साल पूरा होने तक सीमित नहीं है, ये राजस्थान के फैलते प्रकाश का भी उत्सव है, राजस्थान के विकास का भी उत्सव है। अभी कुछ दिन पहले ही मैं निवेश शिखर सम्मेलन के लिए राजस्थान आया था। देश और दुनिया भर के बड़े–बड़े निवेशक यहां जुटे थे। आज यहां 45–50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। ये परियोजना राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थायी समाधान करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मैं राजस्थान की जनता, राजस्थान की भाजपा सरकार को 1 साल पूरा करने के लिए बहुत–बहुत बधाई देता हूं और इस 1 साल की यात्रा के बाद आप जब आर्शीवाद देने आए हैं। आप इतनी बड़ी तादाद में आर्शीवाद देने आए हैं। मेरा भी सौभाग्य है कि आज मैं आपके आर्शीवाद को प्राप्त कर सका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस कभी आपके जीवन से पानी की मुश्किले कम नहीं करना चाहती थी... कांग्रेस समाधान के बजाय राज्यों के बीच जल विवाद को ही बढ़ावा देती रही। राजस्थान ने इस कूटनीति के कारण बहुत कुछ भुगता है। अभी कुछ दिन पहले ही महाराष्ट्र में भाजपा ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाई है और चुनाव नतीजों के हिसाब से देखें तो वहां भी लगातार तीसरी बार बहुमत मिला है। वहां भी पहले से कहीं अधिक सीटें भाजपा को मिली हैं। इससे पहले हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। हरियाणा में भी पहले से ज्यादा बहुमत लोगों ने दिया है। अभी हुए राजस्थान के उपचुनाव में भी हमने देखा है कि कैसे भाजपा को लोगों ने जबरदस्त समर्थन दिया है। ये दिखाता है कि भाजपा के काम और भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत और आज जनता–जनार्दन को कितना विश्वास है। संशोधित पार्वती–कालीसिंध–चंबल परियोजना के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में राजस्थान सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं।

पटेल–नेहरू से लेकर अनुच्छेद 370 तक जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कांग्रेस को खूब सुनाया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा के बाद 16 दिसबंर से राज्यसभा में संविधान पर बहस शुरू हुई। शीतकालीन सत्र समाप्त होने में केवल 4 दिन बचे हैं, सरकार लोकसभा में एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक पेश करने के लिए तैयार है। इन सब के बीच केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा दूसरे दिन बहस को जारी रखा। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल को देश को एकजुट करने का काम सौंपा गया था और मुझे बहुत खुशी हुई कि लंबे समय के बाद मैंने कांग्रेस की ओर से भी सरदार पटेल का नाम सुना। बहुत दिनों के बाद मैंने कांग्रेस के लोगों को महापुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में बोलते हुए सुना। उन्होंने 562 रियासतों को एकजुट किया और जम्मू–कश्मीर को तत्कालीन प्रधानमंत्री के लिए छोड़ दिया। जेपी नड्डा ने कहा कि जब हम संस्कृति की बात करते हैं तो कई लोगों को लगता है कि हम प्रगतिशील नहीं हैं। मैं

उनका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि संविधान की मूल प्रति पर अजंता और एलोरा की गुफाओं की छाप भी थी। इस पर हमें कमल की छाप भी दिखाई देती है। कमल इस बात को दर्शाता है कि कीचड़ और दलदल से निकलकर आजादी की लड़ाई के बाद हम एक नई सुबह के साथ नए संविधान के साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं इसीलिए हमारा संविधान भी हमें कमल से प्रेरणा देता है कि तमाम परेशानियों के बावजूद भी हम लोकतंत्र को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। जेपी नड्डा ने कहा कि ये जो त्योहार हम मनाते हैं, ये एक प्रकार से संविधान के प्रति हमारे समर्पण को, संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान करता है... मुझे विश्वास है कि हम इस अवसर का सदुपयोग राष्ट्रीय लक्ष्य की पूर्ति में करेंगे।

जामिया इस्लामिया के छात्रों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्रों ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 16 दिसंबर को सीएए के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में घुसकर उन पर लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने यह भी दावा किया कि लाठीचार्ज के दौरान कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। रविवार को जामिया ने कक्षाएं निलंबित कर दीं और अपनी लाइब्रेरी और कैंटीन को बंद कर दिया, क्योंकि एक छात्र संगठन ने 2019 के सीएए विरोधी प्रदर्शनों और परिसर में कथित पुलिस बर्बरता की सालगिरह को चिह्नित करने के लिए एक स्मरण कार्यक्रम मनाने की योजना बनाई थी। वामपंथी समर्थित अखिल भारतीय छात्र संघ आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले का उद्देश्य छात्रों को कार्यक्रम में भाग लेने से रोकना था। अखिल भारतीय छात्र संघ ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले का उद्देश्य छात्रों को कार्यक्रम में भाग लेने से रोकना था। उन्होंने यह भी दावा किया कि परिसर से प्रवेश और निकास द्वार प्रतिबंधित कर दिए गए थे, जो अंदर थे उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं थी और अन्य को प्रवेश करने से रोक दिया गया था।जामिया ने रविवार देर रात तीन सर्कुलर जारी किए, जिसमें कहा गया कि शरखरखाव कार्यश के कारण दोपहर 1 बजे से कक्षाएं, कैंटीन और लाइब्रेरी बंद रहेंगी।

झारखंड की 1.36 लाख करोड़ रुपये की दावेदारी केंद्र ने नकारी

रांची,(एजेंसी)। 1 लाख 36 हजार करोड़ की रकम पर केंद्र और झारखंड सरकार के बीच तकरार खड़ी हो गई है। झारखंड सरकार का दावा है कि राज्य में कोयला खनन की रॉयल्टी और खदानों के लिए जमीन अधिग्रहण के एवज में केंद्र के पास यह रकम बकाया है। लेकिन, केंद्र सरकार ने संसद में इस संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि झारखंड का उसके पास कोई बकाया नहीं है। केंद्र के इस स्टैंड पर झारखंड सरकार ने विरोध जताया है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि झारखंड की मांग जायज है। राज्य के विकास के लिए यह राशि जरूरी है। उन्होंने झारखंड के भाजपा सांसदों से अपील की है कि वे झारखंड की इस मांग पर आवाज बुलंद करें। झारखंड के सत्तारूढ़ गठबंधन ने केंद्र के पास कुल 1 लाख 36 हजार करोड़ की राशि बकाया होने का मुद्दा विधानसभा चुनाव के दौरान भी प्रमुखता से उठाया था। सीएम सोरेन अपनी सभाओं में बार–बार कहते रहे कि केंद्र ने झारखंड का पैसा रोक रखा है, जिसकी वजह से राज्य में विकास की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। दो दिन पहले बिहार के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने लोकसभा में इसे लेकर सवाल पूछा कि कोयले से राजस्व के रूप में अर्जित कर में झारखंड की हिस्सेदारी 1.40 लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार के पास लंबित है। उसे ट्रांसफर नहीं किया जा रहा है। इसके क्या कारण है? इस सवाल पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लिखित जवाब में कहा कि केंद्र सरकार के पास कोयले के राजस्व का झारखंड का कोई हिस्सा लंबित नहीं है। केंद्र के इस जवाब के बाद झारखंड में सियासी तौर पर बवाल मचना तय माना जा रहा है। फिलहाल दूसरे राज्यों के निजी दौरे पर गए सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर पहली प्रतिक्रिया दी है। सीएम सोरेन ने इसी साल सितंबर महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मुद्दे पर एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था झारखंड राज्य का सामाजिक–आर्थिक विकास मुख्य रूप से खनन और खनिजों से होने वाले राजस्व पर निर्भर करता है, जिसमें से 80 प्रतिशत कोयला खनन से आता है। झारखंड में काम करने वाली कोयला कंपनियों पर मार्च 2022 तक राज्य सरकार का लगभग 1,36,042 करोड़ रुपये का बकाया है। पीएम को भेजे गए पत्र में कोयला कंपनियों पर बकाया राशि की दावेदारी का ब्रेकअप भी दिया था। इसके अनुसार वाश्ड कोल की रॉयल्टी के मद में 2,900 करोड़, पर्यावरण मंजूरी की सीमा के उल्लंघन के एवज में 32 हजार करोड़, भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के रूप में 41,142 करोड़ और इसपर सूद की रकम के तौर पर 60 हजार करोड़ रुपए बकाया हैं। सीएम सोरेन ने पीएम को भेजी गई चिट्ठी में कहा था कि जब झारखंड की बिजली कंपनियों ने केंद्रीय उपक्रम डीवीसी (दामोदर वैली कॉरपोरेशन) के बकाया भुगतान में थोड़ी देर की, तो हमसे 12 प्रतिशत ब्याज लिया गया और हमारे खाते से सीधे भारतीय रिजर्व बैंक से डेबिट कर लिया गया।

आजादी चंद नेताओं ने नहीं, आम आदमी ने दिलाई : प्रफुल्ल पटेल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने देश को आजादी दिलाने के कांग्रेस के दावे को खारिज करते हुए सोमवार को राज्यसभा में कहा कि देश की आजादी के लिए लड़ने वाली कांग्रेस कोई राजनीतिक पार्टी नहीं थी। राजनीतिक कांग्रेस पार्टी का जन्म आजादी के बाद हुआ है। संविधान की 75 साल की यात्रा पर सदन में आज शुरू हुई चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि देश को आजादी कुछ चंद नेताओं ने नहीं दिलाई। देश को आजादी इस देश के आम लोगों ने दिलाई है। सुखदेव ने, भगत सिंह ने, बिरसा मुंडा जैसे लोगों ने आजादी दिलाई है। प्रफुल्ल पटेल ने ये बातें कांग्रेस सांसदों द्वारा दिए गए वक्तव्य के जवाब में कही। एनसीपी नेता ने कहा, ष्हम भी पहले कांग्रेस के साथ थे, हमारे पिता भी आजादी की लड़ाई में शामिल थे। कांग्रेस पार्टी तो आजादी के बाद बनी है। आजादी की कांग्रेस कोई राजनीतिक पार्टी नहीं थी। वह एक स्वाधीनता आंदोलन था। देश के आम आदमी ने आजादी दिलाई। यदि आम आदमी आंदोलन से नहीं जुड़ते तो आजादी नहीं मिलती।ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि पूरे देश की एकता के पीछे केवल और केवल हमारे संविधान की शक्ति है। हमारे पड़ोस के मुल्कों को भी हमारे साथ ही आजादी मिली। उसके बाद उन्होंने भी संविधान बनाया। लेकिन उनकी संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं नहीं टिक पाईं। भारत में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की इस मजबूती का श्रेय उन्होंने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को यदि कोई सबसे बड़ा धब्बा लगा था तो वह 1975 से 1977 के बीच आपातकाल के दौरान लगा था। आपातकाल के दौरान लोगों को उनके मूल अधिकारों से वंचित रखा गया। लोगों को पकड़–पकड़ कर जेल में डाला जाता था। लोग खेतों में छुपते थे क्योंकि उन्हें जबरन नसबंदी का डर था। एनसीपी सांसद ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष के नेता जाति जनगणना की बात करते हैं। एससी-एसटी का आरक्षण हमारे संविधान का हिस्सा है। देश की सामाजिक व्यवस्था को देखकर मंडल आयोग का गठन हुआ था। मंडल आयोग की सिफारिश किसने स्वीकार की। राजीव गांधी की सरकार में मंडल आयोग की सिफारिश संसद में रखी गई थी, लेकिन विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार में इन सिफारिशों को स्वीकार किया गया।

वन नेशन, वन इलेक्शन संवैधानिक ढांचे पर एक कड़ा प्रहार : तेजस्वी यादव

मधेपुरा,(एजेंसी)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को लोकसभा में श्वन नेशन, वन इलेक्शनश बिल पेश किया। वहीं, बिहार में विपक्ष के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिल का विरोध करते हुए कहा कि श्वन नेशन, वन इलेक्शनश संवैधानिक ढांचे पर प्रहार है। तेजस्वी यादव अपने श्कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्राश को लेकर मधेपुरा पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान श्वन नेशन, वन इलेक्शनश का विरोध करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के मुद्दे गौण हो जाएंगे। प्रदेश के चुनाव स्थानीय मुद्दे पर होते हैं, वह मुद्दा समाप्त हो जाएगा। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एजेंडे को लागू करना चाहते हैं, इसीलिए हमलोग कहते हैं कि

ये लोग संविधान के विरोधी हैं। अभी भाजपा के लोग कह रहे हैं, श्वन नेशन, वन इलेक्शनश, फिर आगे कहेंगे श्वन नेशन, वन पार्टी श और उसके बाद कहेंगे कि श्वन नेशन, वन लीडरश। आखिर इसका मतलब क्या है? बाद में पता चलेगा कि अब प्रदेश में विधानसभा चुनाव की जरूरत ही नहीं है, नॉमिनेटेड मुख्यमंत्री दे दो। इसलिए, भाजपा के लोग मुख्य मुद्दे पर बात ही नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि इसे लेकर कम खर्च होने का तर्क दिया जा रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री विज्ञापन पर करोड़ों रुपए खर्च करते हैं। 11 साल में केंद्र सरकार विज्ञापन पर कितना खर्च की है, यह बता दे। उन्होंने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रस्तावित श्महिला संवाद यात्राश को लेकर निशाना साधा।

ईवीएम मुद्दे पर एनसी सांसद ने कहा, सबका अपना-अपना मत है

नई दिल्ली, एजेंसी। ईवीएम को लेकर कांग्रेस के रुख से अलग जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता उमर अब्दुल्ला के स्टैंड लेने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। श्रीनगर से एनसी सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने सोमवार को आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि सबका अपना ऑब्जर्वेशन होता है। इंडिया गठबंधन के सदस्यों के बीच विभिन्न मुद्दों पर मतभेद का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। गठबंधन की बागडोर के बाद अब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर मतभेद सामने आया, जम्मू–कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर कांग्रेस से अलग विचार प्रकट करते हुए कहा कि चुनाव हारने पर ईवीएम को दोष देना गलत है। कांग्रेस को यथार्थ को समझना चाहिए और जनादेश को स्वीकार करना चाहिए। श्रीनगर से सांसद रुहुल्लाह मेहदी ने कहा, उमर अब्दुल्ला ने ईवीएम पर अपनी ओपिनियन दी और खुली राय रखी। लेकिन इसी तरह दूसरों की भी ओपिनियन है। सभी का अपना–अपना ऑब्जर्वेशन होता है। सभी राज्यों के समीकरण अलग–अलग होते हैं। ऐसे में अगर कोई सवाल उठाता है, तो न्यायपालिका और चुनाव आयोग को उस सवाल को सुनना चाहिए।ष एनसी नेता ने कहा, ष्जम्मू–कश्मीर में जब चुनाव हुए, तो हम जानते हैं कि वहां पर हालात कैसे थे और चुनाव आयोग ने ईवीएम से कैसे वोटिंग कराई। उसी तरह से हरियाणा चुनाव में वहां के लोग जानते हैं कि हालात कैसे थे? वो खुद उस बात के गवाह है कि चुनाव आयोग और वोटिंग मशीन ने कैसे काम किया।

सुप्रीम कोर्ट में ज्ञानवापी मामले की सुनवाई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज (मंगलवार) सुनवाई होगी। हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल की गई याचिका पर 22 नवंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को नोटिस जारी किया था। इस नोटिस पर भी सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई होनी है। मुस्लिम पक्ष और हिंदू पक्ष की कुल सात याचिकाओं पर सुनवाई होगी। इसमें से अपनी 6 याचिकाओं में इलाहाबाद हाईकोर्ट के अलग–अलग आदेशों को चुनौती दी गई है। जिसमें हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल मुकदमों को सुनवाई योग्य मानने का इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश, व्यास जी के तहखाने में पूजा की अनुमति, वजूखाना के सर्वे की इजाजत, आदि शामिल है। 22 नवंबर को कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने कहा था, "हिंदू पक्ष द्वारा यह मामला सुप्रीम कोर्ट में ले जाया गया है। वजूखाना में शिवलिंग का अभी–भी पुरातत्व विभाग द्वारा सर्वेक्षण नहीं हुआ है। इससे यह साफ हो सके कि यह शिवलिंग है या फव्वारा। मुख्य गुंबद के नीचे जो ज्योतिर्लिंग है, उसका भी सर्वे नहीं हो

पाया है। इसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई थी।ष बता दें कि इस मामले में उच्चतम न्यायालय के 2022 में दिए गए एक आदेश के अनुसार वजूखाने वाला क्षेत्र अभी सील है और अब हिन्दू पक्ष इस आदेश में बदलाव की मांग कर रहा है। सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा था कि हिन्दू पक्ष सील किए गए वजूखाने के क्षेत्र का एएसआई सर्वे कराना चाहता है। जिला अदालत ने इस मांग को नकार दिया था, लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इसे मंजूरी दे दी थी। इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। हिन्दू पक्ष के वकील ने यह भी बताया था कि वाराणसी के ट्रायल कोर्ट में लंबित 15 मामलों को हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने की उनकी याचिका अब तक सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हो सकी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि ज्ञानवापी मामले से संबंधित सभी मामलों का एक चार्ट तैयार किया जाएगा, जिससे सुनवाई के तरीके को निर्धारित किया जा सके।

कालकाजी विधानसभा सीट से चुनाव हार रही हैं आतिशी : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर राजनीतिक दलों की ओर से आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर आरोप लगाया, तो भाजपा नेता कपध्लि मध्श्रि ने जवाब दध्यि। आतिशी ने कहा, "भाजपा के लोग झुग्गियों में जाकर लोगों में पैसा और कपड़े बांट रहे हैं, मैं सभी से कहना चाहती हूं कि भाजपा के लोग जो दे रहे हैं वो जरूर लें। लेकिन वोट भाजपा को न दें।" दिल्ली भाजपा पर मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा लगाए गए आरोप पर भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा, ष्आतिशी हताश हैं, क्योंकि इस बार कालकाजी में उनकी हार होने वाली है। कालकाजी के लोग उनसे बहुत नाराज हैं, इसलिए हताश होकर ऐसी बयानबाजी कर रही हैं। भाजपा का श्झुग्गीश कार्यक्रम बहुत सफल रहा है। कल भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक हजार स्थानों पर रातभर प्रवास किया। झुग्गियों में लोग गंदे पानी, बिजली के बढ़े हुए बिल और आम आदमी पार्टी के झूठे वादों से परेशान हैं। इस बार उनके विधायकों को झुग्गियों में घुसने तक नहीं दिया जा रहा है। इसी वजह से हताश होकर आतिशी ऐसी बयानबाजी कर रही हैं।ष झुग्गियों को ढके जाने के आरोप पर भाजपा नेता ने कहा, "आतिशी कालकाजी सीट से हार रही हैं। इसलिए वह हताशा में कुछ भी बोल रही हैं। उनके इन बयानों से यह समझ लेना चाहिए कि इस बार वह कालकाजी विधानसभा से हारने वाली हैं। क्योंकि इस विधानसभा कई ऐसी कॉलोनियां हैं, जहां आतिशी को घुसने भी नहीं दिया जा रहा है। इसलिए वह अपने हिसाब से बयान दे रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को तैयार हूं : नाना पटोले

नागपुर,(एजेंसी)। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि उन्होंने पद से इस्तीफा देने की इच्छा व्यक्त की है और अब पार्टी आलाकमान इस पर फैसला करेगा। विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पटोले ने कहा कि राज्य विधानसभा में कांग्रेस के विधायक दल का नेता आज चुना जाएगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी की अब तक की सबसे बुरी हार के बाद पार्टी सूत्रों ने पहले दावा किया था कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने केंद्रीय नेतृत्व से संगठनात्मक पद की जिम्मेदारी से मुक्त करने का अनुरोध किया था। हालांकि, पटोले ने पिछले हफ्ते स्पष्ट किया था कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। पटोले ने कहा कि कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी मंगलवार शाम को शहर पहुंचेंगे और राज्य विधानसभा में पार्टी नेता का चुनाव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष पद के बारे में भी चर्चा होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कांग्रेस के राज्य प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है, पटोले ने कहा, मैंने अपनी इच्छा व्यक्त की है। पार्टी आलाकमान इस पर फैसला करेगा।

कोच्चि में एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि,(एजेंसी)। कोच्चि से बहरीन जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान को सुरक्षा चिंताओं के कारण नेदुम्बसेरी हवाई अड्डे पर सुरक्षित आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। टायर की बाहरी परत का एक हिस्सा रनवे पर पाए जाने के बाद वापस लौटने का निर्णय लिया गया। आधे घंटे से अधिक समय तक तनावपूर्ण क्षणों के बाद, विमान दोपहर 12रू30 बजे सुरक्षित रूप से उतरा। विमान में 104 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। विमान ने ईंधन के स्तर को कम करने के लिए लैंडिंग से पहले नेदुम्बसेरी क्षेत्र में कई बार चक्कर लगाया, जो आपातकालीन लैंडिंग के दौरान आग के जोखिम को कम करने के लिए एक एहतियाती कदम था। इसे भी पढ़ेंरू ब्वपउइंजवतम ैमतपंस ठसंेजे द्य कोयंबटूर सीरियल ब्लास्ट के मास्टरमाइंड बाशा की मौत, अंतिम संस्कार के दौरान महौल खराब होने की संभावना, पुलिस बल तैनात है। हालाँकि विमान में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी।

संपादकीय

काबू में मलेरिया

यह सुखद है कि पूरी दुनिया में पिछले दो दशकों में मलेरिया के खिलाफ जंग में आशातीत सफलता मिली है। जिससे जहां मलेरिया के मामलों में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है, वहीं मौत के आंकड़ों में कमी आई है। पिछले दिनों जारी विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि सार्थक प्रयासों से भारत मलेरिया की दृष्टि से अधिक संवेदनशील देशों की सूची से बाहर निकल गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालिया रिपोर्ट में जिक्र किया है कि भारत में मलेरिया के मामलों में जहां 69 फीसदी की कमी आई है, वहीं इससे होने वाली मौतों में 68 फीसदी की कमी आई है। उल्लेखनीय है कि देश के मलेरिया से ज्यादा प्रभावित राज्यों में सघन अभियान चलाया गया। साथ ही जागरूकता अभियान से भी इस दिशा में लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिली है। दरअसल, मलेरिया से ज्यादा प्रभावित राज्यों पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में मलेरिया उन्मूलन अभियान युद्ध स्तर पर चलाया गया। इसके चलते भारत को डब्ल्यूएचओ ने उन देशों में शुमार किया है जिन्होंने इस दिशा में आशातीत सफलता हासिल की है। सुखद यह है कि मलेरिया से अधिक प्रभावित देशों मसलन अफ्रीकी देशों में नई वैक्सीन के ट्रायल के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। ऐसे में उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि हर साल जो लाखों लोग मलेरिया की चपेट में आते हैं, नई वैक्सीन के प्रभाव से उनकी जान के जोखिम को कम किए जाने में मदद मिल सकेगी। दरअसल, वैक्सीन के फेज–2बी के क्लीनिकल ट्रायल के परिणाम बताते हैं कि वैक्सीन सुरक्षित है और मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में कारगर है। वैक्सीन की प्रभावशीलता पचपन फीसदी बतायी गई है। उल्लेखनीय है कि मशहूर चिकित्सा पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित रिपोर्ट बताती है कि वैक्सीन रक्त में मौजूद मलेरिया की वजह बनने वाले परजीवियों के खिलाफ प्रभावी पायी गई है। जिसे जीवन की रक्षा के लिये बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जहां भारत में वर्ष 2017 में मलेरिया के चौंसठ लाख मामले थे, वे वर्ष 2023 में घटकर बीस लाख रह गए। वहीं मलेरिया से होने वाली मौतों पर भी अंकुश लगा है। दरअसल, जागरूकता अभियान से उत्पन्न चेतना तथा चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से मलेरिया उन्मूलन में खासी मदद मिली है। एक अनुमान के अनुसार कोई पौने दो करोड़ मलेरिया के मामलों को टाला गया है। वहीं मलेरिया जोखिम में भी आशातीत गिरावट आई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दक्षिण पूर्व एशिया के आठ देश मलेरिया से सर्वाधिक प्रभावित थे। जिसमें भारत में भी स्थिति विगत में चुनौतीपूर्ण थी। दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बात को लेकर चिंतित था कि इस क्षेत्र में सघन आबादी के चलते दुनिया की एक चौथाई आबादी निवास करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दक्षिण एशिया के इन देशों में मच्छरों से पैदा होने वाले मलेरिया पर अंकुश लगाने के लिए सहज उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा था। जिससे लोगों के जीवन पर जोखिम को कम किया जा सके। यह तभी संभव था जब मलेरिया के प्रति संवेदनशील लोगों तक सहजता से उपचार पहुंचा सकें। महत्वपूर्ण बात यह है कि जहां भारत, इंडोनेशिया, बांग्लादेश व नेपाल में मलेरिया के मामलों में गिरावट आई है, वहीं म्यांमार, थाईलैंड व दक्षिण कोरिया में मलेरिया के मामलों में वृद्धि का ट्रेंड देखा गया है। यही वजह है कि मलेरिया उन्मूलन पर 2024 की रिपोर्ट जारी करते हुए डब्ल्यूएचओ ने दक्षिण पूर्व एशिया की कमजोर आबादी पर ध्यान केंद्रित करने को इन देशों की सरकारों से विशेष तौर पर कहा है। डब्ल्यूएचओ ने इसके लिये मलेरिया की पहचान, बचाव तथा इलाज की प्राथमिकता सुनिश्चित करने का आग्रह सरकारों से किया है। जिससे मलेरिया के मामलों में गिरावट से लाखों जिंदगियों की रक्षा की जा सके। ऐसे में नई वैक्सीन के उत्साहजनक परिणामों से मलेरिया के संदर्भ में संवेदनशील देशों में इसके खिलाफ लड़ाई को तेज करने में मदद मिलेगी। जो मानवता के लिये एक सुखद संकेत भी है।

हर थाप में थी भावनाओं की गहराई

विवेक शुक्ला

उस्ताद जाकिर हुसैन का एक चित्र महान कत्थक नृतक बिरजू महाराज के राजधानी के शाहजहां रोड के फ्लैट में ड्राइंग रूम में लगा हुआ था। उसमें उस्ताद जाकिर हुसैन और बिरजू महाराज खिलखिला रहे हैं। उसे देखकर बिरजू महाराज कहते थे, उस्ताद जाकिर हुसैन से बेहतर तबला वादक अब कोई पैदा नहीं होगा। ये दोनों ही अपनी–अपनी कलाओं के महारथी थे, और जब वे साथ में प्रस्तुति करते, तो एक जादुई माहौल बन जाता था। उस्ताद जाकिर हुसैन की मृत्यु से सारा देश उदास है। उस्ताद जाकिर हुसैन अपनी अद्भुत तकनीक और तबले पर महारत के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनकी लय और ताल की समझ अविश्वसनीय थी। वे जटिल तालों को भी सहजता से बजाते थे, जिससे संगीत में एक अलग ही रंगत आ जाती थी। जाकिर हुसैन का संगीत सिर्फ तकनीकी कौशल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं की गहराई भी है। उनकी हर थाप में एक कहानी छिपी होती है, जो दर्शकों के दिलों को छू जाती है। वो फरवरी का महीना था और साल था 2012 । दिल्ली में जाड़ा पड़ रहा था। उस दिन राजधानी के शास्त्रीय संगीत के रसिया नेहरू पार्क का रुख कर रहे थे उस्ताद जाकिर हुसैन के जादू को देखने के लिए। उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपनी उंगलियों और हथेलियों से ऐसी ध्वनियां निकालीं, जो पहले कभी नहीं सुनी गईं थीं। दरअसल उस दिन तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन ने नेहरू पार्क में शिव कुमार शर्मा के साथ जुगलबंदी पेश की थी। करीब सैकड़ों संगीत प्रेमियों के बीच जब दोनों उस्तादों ने तान छेड़ी तो फिर जो समां बंधा, उसे कौन शब्दों में बयां कर सकता है। करीब दो घंटे की जुगलबंदी में दोनों उस्तादों ने अपने चाहने वालों की भरपूर तालियां बटोरीं। अफसोस कि उस जुगलबंदी के दोनों उस्ताद अब संसार में नहीं रहे। उस्ताद जाकिर हुसैन दिल्ली में बीती आधी सदी से भी अधिक समय से अपने कार्यक्रम दे रहे थे। भारतीय संगीत को उनके खास अंदाज की वजह से अतंर्राष्ट्रीय पहचान मिली थी। उन्होंने दिल्ली में दर्जनों कंसर्ट पेश किए। जाकिर हुसैन ने कमानी सभागार में 2019 में एक यादगार प्रस्तुति दी थी। मौका था श्रीराम कला केन्द्र के संस्थापक लाला चरत राम की याद में आयोजित एक कार्यक्रम का। उसमें श्रीराम कला केन्द्र की प्रमुख शोभा दीपक सिंह ने बताया था कि जाकिर हुसैन श्रीराम कला केन्द्र के कार्यक्रमों में अपने पिता उस्ताद अल्लाह रखा खान के साथ आते थे। जाकिर हुसैन ने जब दिल्ली के कमानी सभागार में प्रस्तुति दी, तो वह एक अविस्मरणीय शाम थी। उनके तबले की गूंज पूरे सभागार में गूंजी व दर्शक मंत्रमुग्ध हुए। कला मर्मज्ञ डॉ. रविन्द्र कुमार उस्ताद के निधन का समाचार सुनकर कहने लगे, जाकिर हुसैन का कोई सानी नहीं था। उनकी उंगलियां तबले पर ऐसे चलती थी जैसे कोई जादू हो। उनकी लयकारी व ताल की समझ अद्भुत थी। वे हर ताल को नए अंदाज में पेश करने में माहिर थे । उस्ताद जाकिर हुसैन की लय पर पकड़ अद्भुत थी। उनकी उंगलियां तबले पर इस तरह नाचती थीं कि हर ताल और लय स्पष्ट और सटीक होती थी। वह पारंपरिक तबला वादन में तो माहिर थे ही, साथ ही उन्होंने अपनी तकनीक में कई नए तत्वों को भी जोड़ा। वे विभिन्न प्रकार की तालों और लय में कुशलता से तबला बजाते थे। उनकी गति अविश्वसनीय थी। वे बहुत तेज गति से तबला बजा सकते थे,।

गिग अर्थव्यवस्था में बढ़ते जॉब्स के साथ चुनौतियां

डॉ. जयंतीलाल

इन दिनों पूरे देश में गिग अर्थव्यवस्था में नौकरियां एक बड़ी चुनौती के रूप में दिखाई दे रही हैं। हाल ही में फोरम फॉर प्रोग्रेसिव गिग वर्कर्स द्वारा भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर आयोजित एक वेबिनार में भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र प्रकाशित किया गया है। इसमें कहा गया है कि भारत में गिग अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 तक 17 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 455 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। श्वेत पत्र के अनुसार भारत के जीडीपी में गिग अर्थव्यवस्था का योगदान वर्ष 2030 तक 1.25 प्रतिशत के स्तर पर होगा। गौरतलब है कि देश में सरकारी क्षेत्र की नौकरियों में कमी आ रही है, लेकिन गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके छलांगें लगाकर बढ़ रहे हैं। गिग अर्थव्यवस्था का मतलब है अनुबंध आधारित या अस्थायी रोजगार (गिग वर्क) वाली अर्थव्यवस्था। गिग अर्थव्यवस्था के तहत गिग वर्कर प्रोजेक्ट–दर–प्रोजेक्ट आधार पर काम करते हैं और सेवाएं देते हैं। कोविड–19 के बाद डिजिटलीकरण के प्रसार ने गिग अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। जहां शहरी क्षेत्रों में गिग वर्कर को अभी तक कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफैक्चरिंग, डिलिवरीज जैसे श्रम आधारित और कम योग्यता आधारित कार्यों से जोड़कर देखा जाता रहा है, वहीं अब गिग वर्किंग के मौके व्हाइट कॉलर जॉब में भी बढ़ रहे हैं, जहां उच्च स्तर के कौशल और शिक्षा की जरूरत होती है। काम के ऐसे मौके ई–कॉमर्स, फिनटेक, हेल्थटेक, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे हैं। खास बात यह कि गिग अर्थव्यवस्था के तहत अब महिलाएं भी पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। महिलाओं की भागीदारी गिग अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में दिख रही है। चाहे मार्केटिंग हो या फाइनेंस, महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। महिलाएं इस समय फ्रीलांसिंग में भी सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखा रही हैं। उल्लेखनीय है कि गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके बढ़ने के संबंध में नीति आयोग के आंकड़े भी महत्वपूर्ण हैं। नीति आयोग के मुताबिक देश में इस समय 77 लाख गिग कर्मी हैं। ऐसे कर्मियों की संख्या तेजी से बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। इसका कारण है कि गिग कर्मियों की व्यवस्था फिलहाल केवल शहरी क्षेत्र में ही है और मुख्य रूप से ये सेवा क्षेत्र में सक्रिय हैं। मगर अब इनका दायरा बढ़ेगा तो गिग कर्मियों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। नीति आयोग के आकलन के अनुसार भारत में गिग वर्कर्स की संख्या 2030 तक बढ़कर करीब 2.3 करोड़ हो जाएगी। देश में टियर–2 और टियर–3 शहरों में गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से मुंबई, दिल्ली, पुणे, बेंगलूरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर और चेन्नई सहित देश के छोटे–बड़े शहरों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष गिग नौकरियां निर्मित होती दिखाई दे रही हैं। देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और रोजगार से संबंधित विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि देश में गिग अर्थव्यवस्था के कारण विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर में तेजी से कमी आ रही है और रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। चूंकि गिग कर्मचारी अक्सर संगठित और असंगठित श्रम के बीच ग्रे जोन में आते हैं, जिससे लाभ और संसाधन प्रभावित होते हैं, इसलिए प्लेटफॉर्म कंपनियां तेजी से गिग श्रमिकों के लिए बेहतर कामकाजी परिस्थितियों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसके तहत मॉनसून के दौरान टिकाऊ रेनकोट प्रदान करने से लेकर आराम करने के क्षेत्र की स्थापना और गर्मी के मौसम के दौरान पानी की सुविधा शामिल हैं। खासतौर से अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियां अपने कर्मचारियों के कल्याण के परिप्रेक्ष्य में सक्रिय रूप से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए दिखाई दे रही हैं। फिर भी अभी देश में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा पर पूर्ण रूप से ध्यान दिया जाना होगा। खासतौर से हमें गिग–वर्कर्स के लिए भविष्य निधि और पेंशन और बीमा संबंधी कवरेज और लाभों के बारे में सोचना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में

नीति आयोग ने 'इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमी' शीर्षक से जो रिपोर्ट लॉन्च की है, उसके तहत अन्य बातों के साथ ही गिग वर्कर्स और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार करने की सिफारिश की गयी, जिसमें बीमा और पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं। यद्यपि देश में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 (संहिता) अधिनियमित हो चुकी है लेकिन अभी तक प्रभावी नहीं है। यह संहिता सरकार को जीवन और विकलांगता कवर, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा और क्रेच लाभ प्रदान करने के लिए गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तैयार करने में सक्षम बनाती है। देश में गिग वर्कर्स के लिए ऐसी योजनाएं–नीतियां बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी में आगे बढ़ानी होंगी, जिसमें एक फर्म या सरकार के सहयोग द्वारा विशिष्ट रूप से ऐसा डिजाइन हो, जैसा कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत परिकल्पित है। कई देशों में गिग वर्कर्स को 'वर्कर्स' के रूप में वर्गीकृत करके जो मॉडल स्थापित किया गया है, उस पर ध्यान दिया जाना होगा। यह वर्गीकरण गिग वर्करों के लिये न्यूनतम वेतन, सवेतन अवकाश, सेवानिवृत्ति लाभ योजना और स्वास्थ्य बीमा सुरक्षित करता है। गिग वर्करों को राजकोषीय प्रोत्साहन जैसे टैक्स–ब्रेक या स्टार्टअप अनुदान प्रदान किए जा सकते हैं। गिग प्लेटफॉर्म क्षेत्र की क्षमता का दोहन करने के लिए विशेष रूप से प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए डिजाइन किए गए उत्पादों के माध्यम से क्षेत्रीय और ग्रामीण व्यंजन, स्ट्रीट फूड, स्व–रोजगार व्यक्तियों को कस्बों और शहरों के व्यापक बाजारों में अपने उत्पाद बेचने के लिए प्लेटफार्म्स से जोड़ा जा सकता है। देश में गिग वर्कर्स को केवल कुछ ही फर्म ऑन–वर्क दुर्घटना बीमा प्रदान करती हैंय इसे सभी नियोक्ताओं द्वारा प्रदान किया जा सकता है। कामगारों को संकटपूर्ण समय या सेवानिवृत्ति के लिये बचत करने में मदद करना भी कंपनियों को गंभीरता से लेना होगा। जिसका एक तरीका हो सकता है कि इनके द्वारा न्यूनतम स्वैच्छिक योगदान किया जाए जो एक कॉर्पस फंड में जमा हो। सरकार द्वारा शिक्षा, वित्तीय सलाह, विधिक कार्य, चिकित्सा या ग्राहक प्रबंधन क्षेत्रों जैसे उच्च–कौशल गिग वर्कर्स के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी होगी, जिससे भारतीय गिग वर्कर्स की वैश्विक बाजारों तक पहुंच सुगम बनायी जा सके। इसके साथ ही, सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने की जिम्मेदारी साझा करने हेतु निष्पक्ष, पारदर्शी तंत्र स्थापित करने के लिये सरकारों, गिग प्लेटफॉर्म और श्रम संगठनों के बीच सहयोग की आवश्यकता होगी। निश्चित रूप से देश में गिग वर्कर्स को यदि सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी, तो गिग वर्कर्स के रूप में काम कर रही देश की नई पीढ़ी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ सकेगी और देश उनके अधिकतम योगदान से तेजी से विकास की डगर पर बढ़ेगा।

देवेन्द्र का सितारा चमक रहा या वह भाजपा के अगले योगी होंगे

संजय

राजनीति में विडंबनाएँ बहुत हैं, और यह और भी ज्यादा है। देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाने में भाजपा को लगभग 12 दिन लग गए। यह तब हुआ जब उन्होंने कहा कि वे "आधुनिक युग के अभिमन्यु" हैं और पौराणिक अर्जुन के बेटे के विपरीत भूलभुलैया को तोड़ना जानते हैं। विडंबना यह है कि 132 सीटों और पांच निर्दलीयों के समर्थन के साथ भाजपा ने 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में लगभग बहुमत हासिल कर लिया था, जो भगवा पार्टी के लिए एक रिकॉर्ड है, और फिर भी नए मुख्यमंत्री के चुनाव में देरी हुई। श्री फडणवीस ने भूलभुलैया को तोड़कर संघ परिवार का उभरता सितारा बन गए। योगी आदित्यनाथ के मामले की तरह, यह हो सकता है कि आरएसएस ने श्री फडणवीस के लिए रास्ता साफ करने के लिए अपना पैर पीछे खींच लिया हो। उत्तर प्रदेश के सीएम की तरह, श्री फडणवीस ने दिखाया है कि वे अपने आप में एक नेता हैं। वह निस्संदेह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खोज हैं, जिनके लिए वह अब तक के अनुभव के लिए आभारी हैं। वाली बात यह थी कि एनडीए में शामिल हर कोई श्री फडणवीस के स्वागत के लिए मौजूद था, साथ ही बॉलीवुड और व्यापार जगत के शीर्ष लोग भी। यह एक संकेत था कि वह आखिरकार आ गए हैं। सबसे धनी राज्य के मुख्यमंत्री को कुछ दशक पहले दिवंगत बाल ठाकरे ने उप प्रधानमंत्री के समान बताया था। मुंबई आर्थिक राजधानी है, और इसका नियंत्रण किसी भी सत्तारूढ़ पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। श्री फडणवीस द्वारा लाई गई जीत अधिक प्रमुख थी, क्योंकि इस बार महाराष्ट्र चुनाव मूल रूप से एक स्थानीय मामला था, जिसमें प्रधानमंत्री के साथ–साथ गृह मंत्री अमित शाह, स्टार प्रचारकों ने पीछे की सीट ली। खुद को अमित शाह, शिवराज सिंह चौहान और योगी आदित्यनाथ जैसे भाजपा के दूसरे नंबर के नेताओं में शामिल कर लिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि अगर अन्य चीजों को प्राथमिकता दी जाती तो कट्टर आरएसएस नेता बड़ी चीजों के लिए किस्मत में होते। इन सभी उभरते नेताओं में फडणवीस चमकते हैं। कट्टर आरएसएस समर्थक होने के बावजूद वे खुद को वैश्विक दुनिया के साथ सहज बताते हैं। सौम्य लेकिन दृढ़ और अच्छे व्यवहार और शिष्टाचार के साथ वे पूर्ण धैर्य की प्रतिमूर्ति हैं। लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि नितिन गडकरी, जिन्होंने कभी उनका मार्गदर्शन किया था, की तुलना में वे उतने विश्वसनीय नहीं हैं। यह कहने की जरूरत नहीं है कि फडणवीस की ताकत इस बात में निहित है कि उन्हें भाजपा के उन कई चेहरेविहीन मुख्यमंत्रियों में नहीं गिना जाता जो हाईकमान की श्हां में हां मिलाने वालेश होने के कारण वहां हैं। विडंबना यह है कि भाजपा विधायक दल का नेता बनने के बाद सबसे पहले उनकी तारीफ करने वालों में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े भी शामिल थे, जो उनके पद पर नजर गड़ाए हुए थे। चर्चा यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में दोबारा नामांकन पाने में विफल रहे श्री तावड़े को भाजपा नेतृत्व के एक वर्ग ने श्री फडणवीस को मात देने के लिए आगे किया है। चुनाव प्रचार के दौरान श्री तावड़े ने सुझाव दिया था कि इस बार मुख्यमंत्री के रूप में श्री फडणवीस नहीं बल्कि कोई और हो सकता है। भाजपा में जो लोग श्री फडणवीस के रास्ते पर चले गए हैं, उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। श्री फडणवीस के उदय से पहले महाराष्ट्र में भाजपा के प्रमुख रहे एकनाथ खडसे को अब शरद पवार की एनसीपी में वापस जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि ऐसी खबरें हैं कि कुछ महीने पहले जेपी नड्डा ने उन्हें एक गुलदस्ता भेंट किया था, जो उनकी वापसी का संकेत हो सकता है। पंकजा मुंडे को अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए श्री फडणवीस के आलोचक से वफादार बनने के लिए मजबूर होना पड़ा है। लेकिन आगे की राह इतनी आसान नहीं है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें सरकार में स्थिरता लानी होगी, ऐसे समय में जब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जो कल तक उनके बॉस थे, बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं दिख रहे हैं। खासकर अगले साल, जब उन्हें खुद को संभालना होगा। बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारियां और अपेक्षाएं भी आती हैं – काम पूरा करना, और समय पर काम पूरा करना। श्री फडणवीस के लिए अगला साल भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि विपक्ष लगातार दावा कर रहा है कि विधानसभा चुनाव के नतीजे च्चौंकाने वाले और समझ से परेे थे और शरद पवार सहित वरिष्ठ नेताओं से उम्मीद है कि वे सच्चाई का पता लगाने के लिए एड़ी–चोटी का जोर लगा देंगे। श्री फडणवीस के लिए यह साबित करने का भी समय बहुत महत्वपूर्ण है कि उनकी जीत कोई क्षणिक जीत नहीं थी। जल्द ही, नगर निगमों सहित कई स्थानीय निकाय चुनाव होंगे, जो दिखाएंगे कि कौन कहां खड़ा है और हवा का रुख किस ओर है। इस कहानी का सार यह है कि महाराष्ट्र में भाजपा श्री फडणवीस के मुख्यमंत्री के रूप में फिर से उभरने के बाद फिर से वैसी नहीं रहेगी, जिन्हें लगता है कि उन्हें राज्य चलाने के लिए पूर्ण स्वतंत्रता दी गई है, जबकि राज्यों में अधिकांश भाजपा नेताओं को ऐसा नहीं लगता। श्री फडणवीस के पास विधानसभा में मजबूत विपक्ष नहीं हो सकता है, लेकिन दो सहयोगी दल, संयोग से दो मराठों के नेतृत्व में, जो अब कैबिनेट में उनके सहयोगी हैं, सत्ता की मदद से अपनी–अपनी पार्टियों – क्रमशः शिवसेना और एनसीपी – का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। दूसरी ओर, भाजपा आलाकमान को पता है कि आधुनिक समय में भाजपा के पास पर्याप्त ताकत नहीं है। अभिमन्यु महाभारत का अर्जुन बनने की आकांक्षा ऐसे समय में कर रहे हैं, ।जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिकॉर्ड तीसरी बार सत्ता में आने के बाद राजनीतिक हलकों में उनके संभावित उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इसलिए, श्री फडणवीस को एक तरफ पार्टी में अपने आकाओं से निपटना है, साथ ही दूसरी तरफ एकनाथ शिंदे और अजित पवार से भी निपटना है और दोनों ही काम बड़ी ही कुशलता और सूझबूझ से करने हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके पास जातिगत समर्थन आधार नहीं है और उनके पास वोट बैंक नहीं है, जो योगी आदित्यनाथ के पास है, न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि पूरे हिंदी पट्टी में, क्योंकि वे ठाकुर हैं। जाहिर है, श्री फडणवीस को अपनी ही पार्टी में छिपे प्रतिद्वंद्वियों के कारण सावधानी से कदम उठाने होंगे। इसलिए, महाराष्ट्र में होने वाला हर चुनाव उनके नेतृत्व की परीक्षा लेगा और यह उनकी स्थिरता और सत्ता में लंबे समय तक बने रहने का फैसला करेगा। महाराष्ट्र कोई साधारण राज्य नहीं है। राष्ट्रीय मंच पर श्री मोदी के उभरने के बाद भाजपा को राज्य में स्थिर होने में 10 साल लग गए। महाराष्ट्र में भाजपा की जीत किसी ऑपरेशन ब्लिट्जक्रेग से कम नहीं थी। श्री फडणवीस की बड़ी राष्ट्रीय भूमिका का रास्ता इस बात पर निर्भर करता है कि वे महाराष्ट्र को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं।

अपनों के निशाने पर आने के बाद क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस?

उमेश

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जिस वक्त कांग्रेस गद्गगद् हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को सीधे–सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं। उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत–सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है। तार्किक आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे–सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए। लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुआई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुआई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर अब्दुल्ला इससे आगे का भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि 'मीठा–मीठा गप और कड़वा–कड़वा थू' की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भारी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहरापन नहीं चलने अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा। ऐसे में सरकार और चुनाव आयोग दबाव में आ सकते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए ईवीएम पर संदेह करने वाले दलों में साहस होना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा साहस कोई दल दिखाता नजर नहीं आ रहा। इसकी वजह यह है कि कोई भी दल संसदीय राजनीति के उस रसूख को छोड़ने का साहस नहीं रखता, जो उसे सांसद या विधायक बनने के बाद हासिल होता है। इन दलों और उनके नेताओं को पता है कि संसद और विधानमंडल से बाहर रहने के बाद उनकी बातें गौर से सुनीं नहीं जातीं और उनके शब्दों को तवज्जो भी नहीं मिलता। इसलिए वे ईवीएम पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसी ईवीएम के जरिए संसदीय कुर्सियों पर भी काबिज रहना चाहते हैं। यह भी एक तरह से चारित्रिक दोहरापन ही है और उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस दोहरापन से खुद को अलग करने की कोशिश भी हो सकता है। वैसे कांग्रेस के लोगों से ऑफ द रिकॉर्ड बात कीजिए तो वे भी मानते हैं कि चाहे ईवीएम का मुद्दा हो या किसानों का आंदोलन, उनके लिए सिर्फ कवरअप के मुद्दे हैं। कवरअप यानी बचाव का मुद्दा। पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी मानते हैं कि जिन कृषि कानूनों के विरोध में कांग्रेस राजनीति कर रही है, उन्हें उसकी ही सरकार ने तैयार किया था। ईवीएम का चलन 2004 में पूरी तरह शुरू हुआ। जिसमें कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए को जीत मिली थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे। तब तो कांग्रेस को यह जीत बहुत पसंद आई थी। इसके अगले यानी 2009 के चुनाव में भी यूपीए को दूसरी बार जीत मिली। तब भी ईवीएम पर कम से कम कांग्रेस की ओर से सवाल नहीं उठा। तब लालकृष्ण आडवाणी खेमे की ओर से ईवीएम पर सवाल उठा तो उसे सिरे से खारिज कर दिया गया। इसके बाद आडवाणी के लोगों ने उसे तूल नहीं दिया। लेकिन 2014 के बाद से लगातार ईवीएम पर कांग्रेस की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। जबकि कांग्रेस भी जानती है कि ईवीएम में दोष नहीं है, उसकी नीतियों में ही कमी है, जिसकी वजह से वोटर उसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है। ऑफ द रिकॉर्ड अगर कांग्रेसी नेताओं से बात होती है तो वे मानते हैं कि किसान कानून और ईवीएम का विरोध दरअसल उसके लिए बचाव के मुद्दे हैं। कांग्रेस इन मुद्दों के जरिए अपनी नाकामियां छिपाती रहती है। उदाहरण के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के हालिया बयान को लेकर उनके खिलाफ कपिल सिब्बल की अगुआई में महाभियोग चलाना कुछ–कुछ वैसा ही मामला होने जा रहा है, जैसा 1986 में शाहबानो को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद से नया कानून बना दिया गया था। बहुसंख्यक सोच जबकि इसके खिलाफ थी, कुछ इसी तरह शेखर यादव के बयान को लेकर महाभियोग चलाने के फैसले से बहुसंख्यक वोट बैंक सहमत नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को लेकर बहुसंख्यक समाज में विरोधा के सुर भले ही खुले तौर पर ना उठें, लेकिन चुनावी मैदान में इसे लेकर बहुसंख्यक वोट बैंक अपना गुस्सा निकाल सकता है।

जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के निर्देशन एवं जनपद जौनपुर के जिला अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में जनक कुमारी इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि जनपद के जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार तथा परियोजना निदेशक कृष्ण करुणाकर पांडेय जी रहे ।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश संरक्षक श्री रमेश सिंह जी, प्रधानाचार्य परिषद के संरक्षक डॉक्टर वीरेंद्र प्रताप सिंह ,डॉक्टर उदय राज सिंह प्रधानाचार्य गुलाबी देवी बालिका इंटर कॉलेज, डॉक्टर सुभाष चंद्र सिंह पूर्व प्रधानाचार्य बीआरपी इंटर कॉलेज एवं डॉक्टर जयप्रकाश सिंह प्रधानाचार्य बृजेश इंटर कॉलेज गुलालपुर रहे।सर्वप्रथम विद्यालय की संस्थापिका सती माता एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ,इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना करते हुए अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ जंग बहादुर सिंह ने बुके, अंगवस्त्रम, व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इसके पश्चात जनक कुमारी इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य को राज्य पुरस्कार प्राप्त होने पर परियोजना निदेशक व जिला विद्यालय निरीक्षक सहित सभी मंचासीन अतिथियों ने बुके अंगवस्त्रम तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक और परियोजना निदेशक ने प्रत्येक छात्र के मॉडल पर जाकर उनसे उनके मॉडल के विषय में बहुत ही रुचि पूर्व जानकारी प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में जनपद के 25 विद्यालयों के 80 छात्र छात्राओं ने अपने मॉडल प्रस्तुत किया ।मुख्य अतिथि कृष्ण करुणाकर पांडेय जी ने अपने संबोधन में छात्रों के मॉडल को देखने के बाद अपने अध्ययन काल के अतीत को याद करते हुए कहा कि आज के 50 वर्ष पूर्व हम भी इसी तरह आप जैसे ही कतार में खड़े होकर अपने मॉडल का प्रदर्शन किए थे, उन्होंने छात्रों से आवाहन किया कि आप जिस मॉडल को बना रहे हैं उसके विषय में पूरी जानकारी हो ,समाज के लिए उसकी क्या उपयोगिता है उसे आप बताएं और यही आपकी सोच आगे एक बेहतर वैज्ञानिक के रूप में विकसित करेगी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बच्चों से उनके विज्ञान मॉडल बनाने में उनकी रुचि और उनके प्रयत्नों की सराहना किया ।बच्चों के मॉडल के मूल्यांकन के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के डॉक्टर सत्यम उपाध्याय प्रोफेसर इलेक्ट्रॉनिक विभाग ,डॉ नवीन चौरसिया प्रोफेसर अभियांत्रिकी विभाग, डॉक्टर दिव्येन्दु कुमार मिश्रा प्रोफेसर कंप्यूटर साइंस, डॉक्टर संतोष कुमार यादव प्रोफेसर आई टी ने गहन निरीक्षण कर छात्र–छात्राओं के मॉडल पर अपना निर्णय दिया। जिसमें महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के समृद्ध सिंह प्रथम स्थान तथा हर्ष जायसवाल द्वितीय स्थान पर रहे ।जनक कुमारी इंटर कॉलेज के यश यादव तृतीय स्थान पर तथा कात्यायनी सिंह चतुर्थ स्थान पर रही ।राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीहिया के हिमांशी गौतम पांचवें स्थान पर रही ।गुलाबी देवी बालिका इंटर कॉलेज के नवनीत यादव छठवें स्थान, जनक कुमारी इंटर कॉलेज की श्वेता पटेल सातवें स्थान पर, गुलाबी देवी बालिका इंटर कॉलेज के आलोक कुमार राजभर आठवें स्थान पर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की गौरी जायसवाल नवें स्थान पर, मां चंडी शोभा शिक्षण संस्थान की तनु शुक्ला दसवें स्थान पर, सेंट पैट्रिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के यथार्थ सिंह ग्यारहवें स्थान पर, गुलाबी देवी बालिका इंटर कॉलेज के विनीत यादव 12वें स्थान पर राज डी एम शिया इंटर कॉलेज के अभिषेक यादव 13वें स्थान पर ,श्री राम प्रताप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुरैला के लवी सिंह 14वें स्थान पर, एवं साजिदा गर्ल्स इंटर कॉलेज की इकरा अमीना 15वीं स्थान पर रही। इन सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, मेडल और स्मृतिचिह्न अतिथियों द्वारा दिया गया तथा शेष सभी प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं मैडल देकर उनका भी सम्मान किया गया। सभी प्रथम 15 स्थान पर चयनित प्रतिभागियों को मंडल स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जनपद प्रतिभागी 25 विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहे। इसके साथ ही जनक कुमारी इंटर कॉलेज के शिक्षक विजेंद्र प्रसाद, जवाहर सरोज ,रमेश यादव ,रोहित अग्रवाल तेज बहादुर प्रजापति, मोहम्मद जकरिया सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक विपनेश कुमार श्रीवास्तव ने किया।

डायट अयोध्या के डी एल एड के प्रशिक्षुओं को आकलन हेतु किया गया प्रशिक्षित

अयोध्या। सोमवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अयोध्या के सभागार में निपुण लक्ष्य एप की सहायता से परिषदीय विद्यालयों में डीएलएड प्रशिक्षणार्थियों द्वारा किए जाने वाले आकलन के सम्बन्ध में कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यशाला में डा0 अम्बिकेश त्रिपाठी के द्वारा निपुण लक्ष्य एप की सहायता से कक्षा 1 के भाषा और गणित के आंकलन की विस्तृत जानकारी दी गई। मनीष रस्तोगी के द्वारा कक्षा 2 के बच्चों के भाषा और गणित के आंकलन की चर्चा करते हुए सहज वातावरण में आंकलन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया गया।इस मौके पर अमित कुमार मिश्र द्वारा निपुण लक्ष्य एप से आकलन में रीड एलांग एप की आवश्यकता की जानकारी दी गई।डायट प्रवक्ता राम चन्दर यादव एवं डायट प्रवक्ता पंकज पटेल द्वारा कक्षा 1 व 2 के अधिकतम 12–12 बच्चों के रेण्डम आंकलन की जानकारी दी गई।कार्यशाला में जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) एवं जिला समन्वयक (एम आई से)भी उपस्थित रहे।डायट अयोध्या के डी एल एड प्रशिक्षुओं के द्वारा सबसे पहले 17 से 20 दिसम्बर तक अम्बेडकर नगर जनपद के विद्यालयों का किया जाएगा और उसके बाद इन्हीं डायट अयोध्या के प्रशिक्षुओं द्वारा जनपद अयोध्या के विद्यालयों का आकलन निपुण लक्ष्य एप से किया जाएगा।

चित्रकला प्रतियोगिता मे छात्र छात्राओं ने दिखायें हुनर

अयोध्या।ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र छात्राओं ने स्कूल मे आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में अपने हुनर का प्रदर्शन किया।चित्रकला प्रतियोगिता में यहां के छात्र–छात्राओं ने एक से बढ़कर चित्रों का प्रदर्शन किया।इस प्रतियोगिता में स्कूल के लगभग 150 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभा किया। इस बात की जानकारी देते हुए स्कूल के प्रबंधक अधिवक्ता प्रवीण मिश्रा तथा प्रधानाचार्य रश्मि पांडे ने संयुक्त रूप से बताया इसमें देखा जाए तो सभी छात्रों ने अच्छी चित्रकला का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रिया मोर्या प्रथम,पारुल यादव द्वितीय,प्रिंस यादव तीसरे,रितिका चौथे,आरती दुबे पांचवें, अंश रावत छठे व आयशा सातवें स्थान पर रही।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

हरदोई। नेहरू युवा केन्द्र हरदोई के तत्वावधान में ब्लाक बेहंदर में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री तुलसी राम कनौजिया (राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार सम्मानित) द्वारा रिबन काट किया गया। ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 06 खेलों का आयोजन किया गया । पुरुष वर्ग में वॉलीबाल में पाल्हाराई की टीम विजेता और श्री देवी दयाल इंटर कालेज सुभान खेड़ा टीम उपविजेता रही । पुरुष वर्ग 400मीटर दौड़ में विकास कुमार प्रथम ,अंकित कुमार द्वितीय, गोविंद कुमार तृतीय स्थान पर रहे। पुरुष वर्ग में कुश्ती में नीरज प्रथम ,धर्मवीर द्वितीय ,मोहम्मद शाद तृतीय स्थान प्राप्त किया । वहीं महिलाओं की कबड्डी में बालाजी कल्ब ,बेहंदर विजेता और संतोष कुमार इंटर कालेज, उप विजेता रही । बैडमिंटन में अरबिया परवीन प्रथम, हिबा द्वितीय रहीं। महिलाओं के लिए साइकिलिंग में आयुषी प्रथम , बंदनी द्वितीय, कशिश तृतीय रही। मुख्य अतिथि के साथ साथ श्री उदय प्रकाश कनौजिया प्रधानाचार्य श्री देवी दयाल इंटर कालेज सुभान खेड़ा, रफीक लम्बू ,भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष, सतेंद्र सिंह भारतीय किसान यूनियन जिला प्रभारी ,आजम अली भारतीय किसान यूनियन प्रदेश संगठन मंत्री द्वारा सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र,शील्ड और मेडल से पुरस्कृत किया गया। आयोजनकर्ता पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक शाहीन फातिमा एवं युवा मंडल अध्यक्ष आसिम अली द्वारा अतिथियों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक मर्दुल अवस्थी ने संचालक की भूमिका निभाई । रेफ्री धर्मेन्द्र सिंह व हर्षित द्वारा सभी खेल कराए गए।

बोर्ड परीक्षा मे अच्छे अंक लाने के लिए अधिकारियों, प्रबंधकों व प्रधानाचार्यो ने दिए छात्रों को मूल मंत्र

फरवरी में शुरु हो रही है इंटरमीडिएट व हाई स्कूल की बोर्ड परीक्षा

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित इंटरमीडिएट व हाई स्कूल की बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर शिक्षा विभाग के आला अधिकारी जुटे हुए हैं।बताते चले की इंटर व हाई स्कूल की परीक्षा को लेकर माध्यमिक शिक्षा परिषद ने परीक्षा केदो की फाइनल सूची भी जारी कर दी है।जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी अपने बोर्ड परीक्षा प्रभारी प्रदीप के साथ जिले के परीक्षा केदो का निरीक्षण कर रहे हैं।वहीं इस बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियो को इस परीक्षा मे अच्छे अंक पाने के लिए जोर शोर से जुट जाने की अपील किया है।क्योंकि अब समय कुछ भी नहीं बचा है।उन्होंने परीक्षार्थियों से अपील किया कि वह बोर्ड परीक्षा से डरे नहीं बल्कि बोर्ड परीक्षा मे अच्छे अंक लाने के लिए क्रमबद्ध समय समय सारणी बनाएं और उसी के अनुसार अध्ययन करें।उन्होंने कहा कि अब समय कम है क्योंकि अगले एक माह में जनवरी में प्रायोगिक परीक्षाएं संपन्न होगी उसके बाद फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं संचालित होगी।जिसके चलते अब आप सभी लोगों के पास समय बहुत कम है।जहां एक तरफ जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन तिवारी ने बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों मे शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए यह अपील किया वहीं दूसरी ओर जिले के विभिन्न स्कूलों के प्रबंधको व स्कूल के प्रधानाचार्यो ने भी उन्हें इस वर्ष परीक्षा में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए।ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल के

प्रबंधक अधिवक्ता प्रवीण मिश्रा ने बताया हाई स्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल होने वाले सभी परीक्षार्थियों को अगर अच्छे अंक पाना है तो वे सबसे पहले विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों के मुताबिक एक समय सारणी बनाएं।लक्ष्य निर्धारित करते हुए उसके मुताबिक अध्ययन करें तो सफलता उन्हें जरूर मिलेगी।जबकि इसी स्कूल की प्रधानाचार्य रश्मि पांडे ने बताया कि इस परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थी किसी भी तरह से परेशान ना हो बल्कि ठीक उसी प्रकार से परीक्षा दे जैसे गृह परीक्षा देते रहे हैं।हां इतना जरूर है कि इस परीक्षा में उन्हीं परीक्षार्थियों के अच्छे अंक आएंगे जो एक लक्ष्य बनाकर पाठ्यक्रमों का अध्ययन करेंगे। मॉडर्न ग्रुप जाना बाजार प्रबंधक आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि अब परीक्षार्थियों के पास समय कुछ नहीं है क्योंकि आने वाले वर्ष जनवरी में उनका पूरा समय जहां एक ओर प्रयोगात्मक परीक्षाओं में फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं संचालित होगी।जिसको लेकर अभी से वे तैयारी मे जुड़ जाएं।बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक पाने के लिए मन को एकाग्र कर तथा विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों के हिसाब से उनका अध्ययन करें।उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा के दौरान जिन प्रश्नों का उत्तर आ रहा हो उन प्रश्नों को पहले हल करें।बोर्ड परीक्षा के दौरान समय कतई बर्बाद न करे।

उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक चिकित्सा व योग का अधिनियम बनाये जाने के संदर्भ में आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र श्रदयालुश, जी से इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन (आई.एन.ओ.) के प्रतिनिधि मंडल ने माननीय आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र श्रदयालुश जी को संबंधित फाइल प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा मूलतः भारत की सबसे प्राचीन एवं सरकार द्वारा मान्य चिकित्सा पद्धति है, जिसका वर्णन अथर्ववेद में भी मिलता है।

इस पद्धति का अधिनियम बन जाने से प्राकृतिक चिकित्सा में अध्ययन, अध्यापन, चिकित्सा, प्रशिक्षण एवं शोध में गति लाई जा सकती है, तथा इस पद्धति के अधिनियम बन जाने एवं समग्र विकास से राज्य का मेडिकल बजट भी कम किया जा सकता है। प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को मान्यता मिले हुए लगभग 45 वर्ष बीत गए अधिनियम न बनने के कारण प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में अपेक्षित कार्य नहीं हो सका है। इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधिमंडल ने माननीय आयुष मंत्री जी से निम्नलिखित मांगे की –1) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के आयुष विभाग के पत्र संख्या–आर/15016/5/2004/वाई एण्ड एन दिनांक 4 सितंबर 2006 की दिशा निर्देश के अनुसार डिग्री धारकों के साथ, डिप्लोमा धारकों एवं गुरु शिष्य परंपरा के अंतर्गत शिक्षित तथा दशकों से प्रैक्टिस कर रहे अनुभवी वरिष्ठ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सकों का पंजीयन किया जाए जैसा कि पूर्व में आयुर्वेदिक, यूनानी व होम्योपैथिक चिकित्सकों को पंजीयन दिया गया था।

2) पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा एवं अन्य राज्यों के तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का अधिनियम बनाया जाए तथा प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का आयोग गठित किया जाए।

3) राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत प्राकृतिक चिकित्सालय एवं योग केंद्र खोले जाएं, प्राकृतिक चिकित्साधिकारी एवं योग विशेषज्ञों का चयन किया जाए एवं इस विधा के प्रचार प्रसार हेतु योजनाएं चलाई जाएं।

4) प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग चिकित्सकों की इंटर्नशिप के लिए उत्तर प्रदेश के समस्त सरकारी चिकित्सालयों में शासनादेश जारी किया जाए।

5) 50 से 100 बेड के समस्त एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी तथा योग विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाए।

6) प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग को पर्यटन से जोड़ा जाए।

7) आयुष मंत्रालय एवं आयुष मिशन में प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग सलाहकार नियुक्त किया जाए।

प्रतिनिधि मंडल में आई.एन.ओ. सलाहकार एवं वरिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. ओमप्रकाश जी आनंद, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र कुमार मिश्रा, राज्य कन्वीनर डॉ. नन्दलाल जिज्ञासु, सलाहकार डॉ. अरुण कुमार भरारी, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एस.एल. यादव, उपाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार यादव, प्रदेश महासचिव डॉ. एल.के. रॉय, योग गुरु कृष्ण दत्त मिश्र डॉ. संजय यादव एवं डॉ. राकेश प्रताप सिंह की उपस्थिति रही।

लखनऊ मण्डल के पी0 एम0 श्री राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के अंग्रेजी विषय के शिक्षकों का होगा विशेष प्रशिक्षण : डॉ0दिनेश कुमार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समग्र शिक्षा (माध्यमिक) उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्त्वावधान में पी0 एम0 श्री राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अंग्रेजी विषय के शिक्षकधशिक्षिकाओं का पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रस्तावित है। संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल कार्यालय के विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि उपरोक्त प्रशिक्षण माह जनवरी 2025 में लखनऊ के क्षेत्रीय परिसर,अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय,कानपुर रोड लखनऊ में प्रस्तावित है समग्र शिक्षा (माध्यमिक) राज्य परियोजना कार्यालय के संयुक्त निदेशक राजकुमार द्वारा लखनऊ मण्डल के सीतापुर,लखीमपुर खीरी, उन्नाव,रायबरेली, हरदोई,लखनऊ जनपद में स्थापित पी0 एम0 श्री राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अंग्रेजी विषय के शिक्षक–शिक्षिकाओं की सूचना निर्धारित प्रारूप पर मांगी गई है। संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक, लखनऊ मण्डल,डॉ0प्रदीप कुमार सिंह द्वारा लखनऊ मण्डल के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्धारित प्रारूप सूचना राज्य परियोजना कार्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ को 18 दिसम्बर तक उपलब्ध करवाने के निर्देश दे दिए गए हैं।

1857 का विद्रोह 20 यूपी गर्ल्स बीएन एनसीसी द्वारा श्रद्धांजलि 20 यूपी गर्ल्स बीएन एनसीसी के एनसीसी कैडेट्स द्वारा नुक्कड़ नाटक

मृत्युंजय प्रताप सिंह

ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने लखनऊ के ऐतिहासिक दिलकुशा कोठी में एक उल्लेखनीय नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया। एनसीसी के सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित इस प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सामाजिक संदेशों को आकर्षक और विचारोत्तेजक तरीके से प्रस्तुत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। 14 दिसंबर, 2024 को, ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने 1857 के विद्रोह की याद में लखनऊ के ऐतिहासिक दिलकुशा कोठी में एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया, जिसे भारतीय स्वतंत्रता के प्रथम युद्ध के रूप में भी जाना जाता है। यह कार्यक्रम मेजर (प्रो.) मोनिका श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। एनसीसी का उद्देश्य विद्रोह के गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि देना और जनता, विशेषकर युवाओं को भारत के इतिहास में इसके महत्व के बारे में शिक्षित करना था। मुगल और ब्रिटिश औपनिवेशिक काल का प्रतीक दिलकुशा कोठी ने प्रदर्शन के लिए एक आदर्श पृष्ठभूमि प्रदान की। इसके ऐतिहासिक खंडहर अतीत पर चिंतन के लिए माहौल तैयार करते हैं, क्योंकि यह स्थल लखनऊ में 1857 के विद्रोह के बड़े कैनवास का एक हिस्सा था, जहां भारतीय सिपाहियों और ब्रिटिश सेना के बीच कई लड़ाईयां लड़ी गईं। नुक्कड़ नाटक ने 1857 के विद्रोह की कहानी को उजागर किया, जिसमें मंगल पांडे, रानी लक्ष्मीबाई, बेगम हजरत महल और नाना साहिब जैसी हस्तियों सहित प्रमुख घटनाओं, लड़ाइयों और शामिल व्यक्तित्वों पर प्रकाश डाला गया। कैडेटों ने उस समय की पीड़ा और देशभक्ति को पकड़ते हुए बड़े जुनून के साथ प्रदर्शन किया। इसके बाद यह मेरठ में ऐतिहासिक विद्रोह और उसके बाद उत्तर भारत में विद्रोह के प्रसार में परिवर्तित हो गया, जिसमें लखनऊ प्रतिरोध के मुख्य केंद्रों में से एक था। इस प्रदर्शन में पुरुषों और महिलाओं दोनों के योगदान को उजागर किया गया, जिसमें बेगम हजरत महल जैसी महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया गया, जिन्होंने अपने पति नवाब वाजिद अली शाह की निर्वासन में मृत्यु के बाद लखनऊ में प्रतिरोध का नेतृत्व किया था। नुक्कड़ नाटक न केवल एक कलात्मक प्रदर्शन था, बल्कि जनता, विशेष रूप से युवा पीढ़ी को 1857 के विद्रोह के महत्व के बारे में शिक्षित करने का एक माध्यम भी था। एनसीसी कैडेटों ने भारत के भविष्य को आकार देने में विद्रोह के ऐतिहासिक महत्व को प्रभावी ढंग से संप्रेषित किया, जिससे दर्शकों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना बढ़ी। खुले में प्रदर्शन करके, कैडेटों ने इतिहास को लोगों के करीब लाया, जिससे यह अधिक प्रासंगिक और प्रभावशाली बन गया। एक माध्यम के रूप में नुक्कड़ नाटक का उपयोग लोगों के विविध समूह तक संदेश पहुँचाने में विशेष रूप से प्रभावी रहा, जिनमें वे लोग भी शामिल थे, जिन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बारे में औपचारिक शिक्षा तक पहुँच नहीं थी।

यूपी रुद्र ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध हॉकी विरासत का सम्मान करते हुए अपनी जर्सी का अनावरण किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यूपी रुद्र ने आज शहर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में हीरो हॉकी इंडिया लीग के लिए अपनी जर्सी लॉन्च की। इस कार्यक्रम में यूपी रुद्र के सितारे हार्दिक सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, शारदा नंद तिवारी और सिमरनजीत सिंह मौजूद थे। यह टीम के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि वे लीग में अपने पहले सीजन की तैयारी कर रहे हैं, जो सात साल बाद वापस आ रही है। जर्सी उत्तर प्रदेश की गहरी हॉकी विरासत और भारतीय हॉकी में राज्य के योगदान का जश्न मनाती है। उत्तर प्रदेश ने देश को कुछ महान हॉकी दिग्गज दिए हैं, जिनमें प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद और केडी सिंह बाबू शामिल हैं, जिनकी विरासत आज भी खिलाड़ियों को प्रेरित करती है। नारंगी और नीले रंग की जर्सी इस गौरवशाली परंपरा का प्रतिबिंब है, जो टीम को आगे बढ़ाने वाले जुनून और एकता का प्रतीक है। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए टीम के कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, ष्हॉकी इंडिया लीग जल्द ही शुरू होने वाली है और यह आयोजन भारतीय हॉकी के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। मैं इस जर्सी को पहनकर मैदान पर उतरने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यूपी की जर्सी पहनना वाकई गर्व की बात है क्योंकि खेल के प्रति राज्य का योगदान बहुत बड़ा है। लखनऊ को नवाबों के शहर के रूप में जाना जाता है और हमारी टीम का नाम खूबसूरती से 11 रुद्रों का प्रतिनिधित्व करता है, जिन्हें सबसे शक्तिशाली के रूप में सराहा जाता है– और हम यूपी रुद्रों को एचआईएल खिताब जीतने में मदद करने के लिए एक शक्तिशाली लड़ाई लड़ने के लिए उत्सुक हैं।ष जर्सी का नारंगी रंग 11 रुद्रों की ऊर्जा और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, जबकि नीला रंग लचीलापन और टीम वर्क को दर्शाता है। हॉकी इंडिया लीग 28 दिसंबर को शुरू होगी जिसमें यूपी रुद्रों का सामना 30 दिसंबर को वेदांत कलिंगा लांसर्स से होगा। यदु स्पोर्ट्स के बारे मेंरू यदु इंटरनेशनल लिमिटेड (ल्प्ट्) द्वारा स्थापित यदु स्पोर्ट्स भारत में खेलों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है,।

यूपी में भी दलितों कमजोरो को अपमानित किया जा रहा है-सुदर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बुलंदशहर की घटना दलितों पर अन्याय अत्याचार भेदभाव की एक बानगी भर समाजवादी पार्टी बाबा साहब आंबेडकर वाहनी के राष्ट्रीय महासचिव राम बाबू सुदर्शन ने कहाकि बुलंदशहर में दलित (एससी) वर्ग के एक युवक की घुड़चढ़ी पर जिस तरह से दबंगो ने मारपीट कर ईटा,पत्थर फेके ये बहुत ही दुर्भाग्य पूर्ण घटना है,और यही नहीं दबंगो ने डीजे तोड़ा,डीजे का वाहन तोड़ा। श्री सुदर्शन ने कहाकि जिस तरह से भाजपा शासित अन्य प्रदेश में दलितों कमजोरो पर अत्याचार अन्याय की घटनाये होती है और भाजपा सरकार अपनी आँखे बंद कर लेती है अब यूपी में भी योगी सरकार के शासन में दलितों कमजोरो को अपमानित कर उन पर अत्याचार किया जा रहा है गुण्डे दबंगो के अंदर शासन प्रशासन का दर खत्म हो चूका है क्यों की ये घटना खुद यूपी पुलिस में कार्यरत सिपाही पर हुई है भाजपा सरकार में दलितों,कमजोरो को दबाया जा रहा है उनके हक अधिकारों को छिना जा रहा है।

वंदेभारत का भी स्टेशन बदला, नोट कर लें नया रूट चार्ट व टाइमिंग

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के अयोध्या कैंट स्टेशन में यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के चलते ट्रेनों का संचालन बाधित होगा। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि जयनगर से 20, 22, 24, 27, 29 एवं 31 दिसम्बर तथा तीन, पांच एवं सात जनवरी को चलने वाली 04651 जयनगर–अमृतसर विशेष, 18, 20, 22, 25, 27 एवं 29 दिसम्बर तथा एक को निरस्त रहेंगी। वहीं तीन एवं पांच जनवरी को चलने वाली 04652 अमृतसर जयनगर विशेष ट्रेन, 22 एवं 29 दिसम्बर तथा पांच जनवरी को 04815 जोधपुर–मऊ विशेष गाड़ी, 24 एवं 31 दिसम्बर तथा सात जनवरी को 04816 मऊ जोधपुर, 20 एवं 27 दिसम्बर तथा तीन जनवरी को 09465

अहमदाबाद दरभंगा स्पेशल ट्रेन, 23 एवं 30 दिसम्बर व छह जनवरी को चलने वाली 09466 दरभंगा अहमदाबाद विशेष गाड़ी निरस्त रहेंगी। इसके अलावा पटना से 17 दिसम्बर से सात जनवरी तक 22345 पटना–गोमतीनगर वंदेभारत एक्सप्रेस बदले मार्ग वाराणसी जं.–सुलनपुर–लखनऊ के रास्ते चलाई जायेगी। ट्रेन गोमतीनगर की जगह चारबाग आएगी। वापसी में उपरोक्त रूट से चारबाग से ही चलाई जाएगी। 19 एवं 26 दिसम्बर, दो जनवरी को 14017 रक्सौल आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग जफराबाद–सुल्तानपुर–लखनऊ के रास्ते चलाई जाएगी। 17, 24 एवं 31 दिसम्बर, सात जनवरी को 15023 गोरखपुर यशवंतपुर एक्सप्रेस तथा 19 एवं 26 दिसम्बर व दो जनवरी को 15024 यशवंतपुर गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बाराबंकी–गोंडा–गोरखपुर के रास्ते चलाई जाएंगी। 15101 छपरा लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 15102 लोकमान्य तिलक टर्मिनस छपरा एक्सप्रेस, 15115 छपरा दिल्ली एक्सप्रेस, 15116 दिल्ली छपरा एक्सप्रेस, 15557 दरभंगा आनन्दविहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस, 15716 अजमेर किशनगंज एक्सप्रेस आदि भी बदले रूट से चलाई जाएंगी।

जेवरातों से भरा मिला बैंक लॉकर, मिलते जा रहे काली कमाई के पुख्ता सुराग

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में नोएडा अथॉरिटी के पूर्व ओएसडी रवींद्र सिंह यादव के ठिकानों पर शनिवार को छापे बाद विजिलेंस ने सोमवार को पंजाब नेशनल बैंक का लॉकर खुलवाया। इसमें बड़ी मात्रा में सोने के बेशकीमती आभूषण मिले हैं। विजिलेंस के अधिकारी इनका मूल्यांकन करा रहे हैं, जिसके बाद इसे भी उनकी अघोषित संपत्तियों में शुमार किया जाएगा। विजिलेंस ने शनिवार को रवींद्र सिंह यादव के नोएडा और इटावा के ठिकानों पर छापा मारा था, जहां से करीब 100 करोड़ रुपये की चल–अचल संपत्तियां अर्जित करने के प्रमाण मिले थे। जांच में सामने आया है कि उन्होंने इटावा में एक दर्जन से अधिक कृषि एवं आवासीय भूखंड भी खरीदे थे। विजिलेंस के अधिकारी इन भूखंडों की वास्तविक कीमत का आकलन करने में जुटे हैं। ये सारी संपत्तियां रवींद्र सिंह की मुश्किलों में इजाफा करने वाली हैं, क्योंकि उन्होंने इसकी जानकारी विभाग को नहीं दी थी। विजिलेंस की खुली जांच में भी उनकी 2.44 करोड़ रुपये की चल–अचल संपत्तियों का ही पता चला था। वहीं उनकी कुल आय 94.49 लाख रुपये पाई गई थी। छापों में उनके पास सौ गुना अधिक चल–अचल संपत्तियां होने का खुलासा होने के बाद विजिलेंस सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है।

गमछे से लटकता मिला अधेड़ का शव

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज इलाके के बरगदहा मे मंगलवार सुबह करीब दस बजे गांव के बाहर बांस कोठी में गमछे से अधेड़ का शव लटकता मिला। सूचना पाकर पुलिस व गांव के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने मृतक की पहचान उसी गांव के रहने वाले सुरेश रावत (55) के रूप में की। पुलिस की माने तो सुरेश ने गले में फंदा लगाकर जान दी है। वहीं ग्रामीण हत्या की आशंका जता रहे हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक पीएम रिपोर्ट आने पर मौत की वजह स्पष्ट होगी। मामले की जांच की जा रही है।

80 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने खुद पर डीजल छिड़क लगाई आग

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने खुद पर डीजल छिड़ककर आग लगी ली। उसने तड़पकर दम तोड़ दिया। घरवालों ने देखा तो रोना पिटना शुरू हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ली। मोहनलालगंज कस्बा में सोमवार की दोपहर को घर पर मौजूद किसाना देवी (80) संदिग्ध हालत में आग से झुलस गई थी। बुजुर्ग को उसके बेटे इलाज के लिए सीएचसी ले गए। महिला की हालत नाजुक होने के कारण डाक्टरों ने उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल रेफर कर दिया था। लेकिन, इलाज के बजाय बेटे अपनी मा को वापस घर ले आए थे। मंगलवार सुबह पांच बजे बुजुर्ग की घर पर ही तड़पकर मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस से बेटों ने मां के शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। इसके बाद पुलिस वापस चली आई। इंस्पेक्टर अमर सिंह के मुताबिक बुजुर्ग महिला पेट दर्द से परेशान रहती थी। इसके कारण महिला ने डीजल अपने ऊपर डालकर आग लगा ली थी। मृतका के घर वालों ने पोस्टमार्टम कराने से मना किया था।

मुंबई से पत्नी करती रही कॉल पर बैंक कर्मी ने खुद को कर लिया शूट

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के चिनहट में एचडीएफसी बैंक में थर्ड पार्टी पर काम करने वाले सूरज पांडेय (26) ने सोमवार को खुद को गोली मार ली। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बैंककर्मी की पत्नी नेहा मुंबई से लगातार कॉल कर रही थीं। फोन नहीं उठने पर आलमबाग में रहने वाले रिश्तेदार संदीप तिवारी को सूरज के कमरे पर भेजा। संदीप ने कमरे के बाहर जाकर आवाज लगाई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी चिनहट भरत पाठक के मुताबिक पुलिस ने वीडियोग्राफी करते हुए कमरे की खिड़की तोडी। इसके बाद भीतर दाखिल हुई, वहां बेड पर सूरज लहूलुहान पड़े थे। उनकी मौत हो चुकी थी। शव के पास एक पिस्टल पड़ी थी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए। कमरे की तलाशी ली गई, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पिस्टल का लाइसेंस भी नहीं मिल सका है। थाना प्रभारी ने बताया कि महाराष्ट्र के पालघर निवासी सूरज कमता में शोएब खान के किराये के मकान में दो माह से रह रहे थे।

छात्राओं से छेड़छाड़ व मारपीट के आरोपी चार छात्र निलंबित

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्राओं के साथ मारपीट और छेड़छाड़ की घटना को अंजाम देने वाले चार आरोपी छात्रों को निलंबित कर दिया गया है। इन सभी का छात्रावास आवंटन निरस्त करते हुए इनसे समस्त छात्रोचित सुविधाएं छीन ली गई हैं। इसके साथ इनका विवि के दोनों परिसरों में आना जाना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। लविवि के मुख्य परिसर के चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने मंगलवार इन छात्रों के निलंबन का आदेश जारी कर जानकारी दी। मालूम हो कि जानकीपुरम स्थित न्यू कैंपस में 7 दिसम्बर को देर शाम नशे में धुत युवकों ने लावण्या छात्रावास में रहने वाली बीटेक की छात्राओं के साथ मारपीट की थी। इस पर एक छात्र ने बीच बचाव किया तो उसकी भी पिटाई कर दी गई थी। जब तक घटना विश्वविद्यालय प्रशासन को पता चलती आरोपी छात्र विश्वविद्यालय से भाग गए थे। इस पर पीड़ित छात्राओं ने कुलानुशासक से लिखित शिकायत की थी जिसमें रैगिंग का जिक्र भी किया गया था। अब करीब आठ दिनों बाद प्राक्टोरियल बोर्ड ने कार्रवाई करते हुए सभी को निलंबित कर दिया है। कुलानुशासक कार्यालय की ओर से जारी पत्र में आरोपी छात्रों को लिखित अथवा स्वयं उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। ऐसा न करने पर माना जाएगा कि उन्हें अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है। जिन छात्रों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है उसमें से तीन छात्र अमन यादव, प्रशांत यादव व किशन सिंह बीफार्मा कोर्स के विद्यार्थी हैं। वहीं, एक अन्य छात्र अमरेंद्र सिंह एलएलबी पांच वर्षीय कोर्स का विद्यार्थी है।

कांग्रेस नेतृत्व राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से कटा हुआ है : सीएम योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा पर तीखा हमला करते हुए उनकी पार्टी के रुख और कार्यों की आलोचना की। कांग्रेस के एक सांसद का जिक्र करते हुए योगी ने कहा, शजबकि कांग्रेस का एक सांसद फिलिस्तीन का बैग लेकर घूम रहा है, कांग्रेस नेतृत्व राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से कटा हुआ है उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन योगी आदित्यनाथ सरकार ने 2024–25 के लिए अनुपूरक बजट पेश किया। राज्य के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 790 करोड़ रुपये के अतिरिक्त व्यय का प्रस्ताव पेश किया। सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपराध के प्रति सरकार की शजीरो टॉलरेंसश नीति के कारण उत्तर प्रदेश निवेशकों

के लिए एक केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य अब दंगा मुक्त है, जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों से विधानसभा की गरिमा को बनाए रखने के लिए जन–केंद्रित मुद्दों पर रचनात्मक बहस में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य में बंद चीनी मिलों को फिर से खोलने पर प्रकाश डाला और आश्वासन दिया कि गन्ना किसानों को एक सप्ताह के भीतर भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। अपने संबोधन के दौरान सीएम योगी ने रोजगार सृजन पर जोर देते हुए सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में 1.60 लाख और पुलिस विभाग में 1.56 लाख भर्तियां की गई हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न क्षेत्रों में 7 लाख से अधिक नौकरियां प्रदान की गई हैं। योगी ने जोर देकर कहा कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण का सख्ती से पालन किया गया है। पिछली सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने दावा किया, "पिछली सरकार के तहत, 86 पदों में से 56 एक ही जाति से भरे गए थे। सपा सरकार के दौरान नियुक्त यूपी लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष शिक्षक बनने के योग्य भी नहीं थे।" योगी ने कांग्रेस पर भी कटाक्ष करते हुए कहा, "कांग्रेस का एक सांसद फिलिस्तीन का झोला लेकर घूम रहा है, जबकि हम यूपी से लोगों को रोजगार के लिए इजरायल भेज रहे हैं।" समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव ने सरकार पर पलटवार करते हुए कहा, ष्हमने अपने कार्यकाल में अनुपूरक बजट भी लाए हैं और उनका प्रभावी ढंग से उपयोग किया है। हालांकि, यह सरकार बार–बार अनुपूरक बजट पेश करती है,।

वनरोज के बच्चे को बनाया निवाला, जगह-जगह नोचा गया था मांस

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बाघ ने रहमानखेड़ा के बाद अब हलुवापुर गांव में वनरोज के बच्चे को निवाला बना डाला। किसान रमेश मिश्रा के बाग में सोमवार दोपहर लोगों ने पशु का शव पड़ा देखा। जगह–जगह मांस नोचा गया था। पंजों के निशान भी मिले। ग्रामीणों ने 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। पीआरवी 0468 ने स्थानीय थाने को बताया। वहां से कहा गया कि वन विभाग के अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। उधर, वन विभाग ने सूचना न मिलने की बात कही। कुल मिलाकर कई घंटे तक वन विभाग की टीम वहां नहीं पहुंची। ग्रामीण दहशत में रहे। डीएफओ शीतांशु पांडे ने बताया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को देखने से प्रतीत होता है कि वनरोज के बच्चे को हिंसक जानवर ने खाया है। यदि बाघ हमला करता तो 40 फीसदी मांस खा जाता। उसके हमले की यही पहचान है। फिर भी बाघ की आशंका में कॉम्बिंग कराई जा रही है। ग्रामीण आशीष मिश्रा ने बताया कि गांव में दहशत का माहौल है, लेकिन वन विभाग के अधिकारी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। काकोरी क्षेत्र में 13 दिनों से बाघ की दहशत है। सोमवार को गुरदीनखेड़ा नहर पटरी के पास सरसों के खेत में बाघ के नए पगचिह्न मिले। एक खेत में लगे कंटीले तारों में बाघ के बाल फंसे मिले। लखनऊ–हरदोई हाईवे किनारे बसे हबीबपुर, टिकैतगंज, बुधड़िया, कुशमौरा, दुर्गागंज, पहिया आजमपुर गांवों में भी दहशत है। लोगों ने बताया कि बच्चों ने स्कूल जाना बंद कर दिया है। रेलवे लाइन के कर्मचारी ने बताया कि पहले अकेले जांच करते थे। अब साथी के साथ भोर में मशाल लेकर निकलते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक 12 साल पहले भी एक बाघ ने वन विभाग की टीम को खूब छकाया था। वैसे ही हालात अब देखने को मिल रहे हैं। लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। वन विभाग की टीम ड्रोन कर्मियों के साथ गुरदीनखेड़ा में मिले पगचिह्नों की जांच करने गई थी। दस किमी तक कॉम्बिंग की गई। थर्मल ड्रोन कैमरे में बाघ के पगचिह्न दिखे हैं। गुरदीनखेड़ा में मंगलवार को ट्रैप कैमरा लगाया जाएगा।

रिंग रोड की तर्ज पर बनेगी रिंग रेल, 4500 करोड़ होंगे खर्च 10 स्टेशनों को किया जाएगा विकसित

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आउटर रिंग रोड की तर्ज पर शरिंग रेलश बनाई जाएगी। शहर की परिधि में आने वाले 10 छोटे स्टेशनों को विकसित किया जाएगा। इन स्टेशनों पर चारबाग व लखनऊ जंक्शन की ट्रेनों को शिफ्ट किया जाएगा। इससे चारबाग और लखनऊ जंक्शन पर आ रहे ट्रैफिक दबाव में 80 फीसदी तक कमी आएगी। चारबाग में जाम की समस्या भी कम होगी। इस पर करीब 4500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जनवरी से इसके लिए सर्वे शुरू होगा। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के चारबाग व पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन 240 से अधिक ट्रेनों व करीब डेढ़ लाख यात्रियों की आवाजाही होती है। इसके चलते चारबाग इलाके में जाम की भी समस्या होती है। उत्तर रेलवे प्रशासन ने इन स्टेशनों पर ट्रैफिक लोड कम करने के उद्देश्य से इस प्रोजेक्ट को तैयार किया है। रिंग रेल को इस तरह विकसित किया जाएगा, जिससे यात्रियों को स्टेशन आने–जाने में असुविधाओं का सामना न करना पड़े। उम्मीद जताई जा रही है कि छह महीने में इस पर काम शुरू हो जाएगा। इसके बाद ट्रेनों की शिफ्टिंग की जाएगी। उतरेटिया, मल्हौर, ट्रांसपोर्टनगर, मानकनगर, आलमनगर, ऐशबाग, सिटी स्टेशन, डालीगंज, बादशाहनगर और गोमतीनगर स्टेशन रिंग रेल के अंग बनेंगे। इन्हें शहर के यातायात के लिहाज से विकसित किया जाएगा। इसके लिए पूर्वोत्तर रेलवे के अफसरों से भी विचार–विमर्श होगा, ताकि रिंग रेल पर पड़ने वाले उनके स्टेशनों का भी विकास हो सके। उतरेटिया से ट्रांसपोर्टनगर के बीच ट्रैक का दोहरीकरण हो चुका है। यहां स्पीड बढ़ाकर 100 किमी प्रति घंटे तक की जाएगी। स्पीड बढ़ाने के साथ–साथ चारबाग स्टेशन की 29 नॉन प्रीमियम ट्रेनों को उतरेटिया के रास्ते बाईपास कर ट्रांसपोर्टनगर ले जाया जाएगा। इससे चारबाग में ट्रेनों व यात्रियों का लोड कम हो जाएगा। वहीं, ऐशबाग से मानकनगर के बीच बने बाईपास को और उन्नत बनाया जाएगा। लखनऊ से कानपुर के बीच फोरलेन के प्रोजेक्ट पर भी इसके तहत काम किया जाएगा। इसके लिए उन्नाव तक ट्रैक को फोरलेन बनाया जाएगा। इसके आगे बाईपास लाइन बनाई जाएगी, जिससे ट्रेनों व मालगाड़ियों को कानपुर नहीं ले जाना पड़ेगा। उन्नाव के रास्ते बाईपास से होते हुए ट्रेनें दिल्ली रूट पर निकल जाएंगी। रिंग रेल पर आने वाले स्टेशनों पर यात्रियों की पहुंच सुगम बनाने के लिए सिटी ट्रांसपोर्ट की भी मदद ली जाएगी। ऑटो, टैंपो, सिटी बसें, मेट्रो आदि की पहुंच इन स्टेशनों तक होने से यात्रियों की आवाजाही आसान हो जाएगी। इसके लिए रेलवे अफसर सिटी ट्रांसपोर्ट व परिवहन विभाग अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। रिंग रोड की तर्ज पर लखनऊ में रिंग रेल बनाने की योजना है। इसकी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। महाप्रबंधक ने प्रस्ताव को सहमति दे दी है। जल्द सर्वे किया जाएगा। इससे लखनऊ में रेलवे ट्रैफिक सुगम व आसान हो जाएगा और यात्रियों को राहत होगी।

रेपर्टवा फेस्टिवल में स्थानीय प्रतिभाओं को भी मिलेगा मौका

लखनऊ,(संवाददाता)। दिसंबर की सर्दी और गुनगुनी धूप के साये में जनेश्वर मिश्र पार्क में शहर का एक और कला महोत्सव सजने वाला है। 19 से 22 दिसंबर तक चलने वाले रेपर्टवा महोत्सव में देशभर की कला प्रतिभाओं के बीच स्थानीय प्रतिभाओं को भी मंच मिलेगा। इसके लिए 20 कलाकारों का चयन किया गया है। गोमतीनगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क के गेट नंबर–6 के भीतर सजे रेपर्टवा फेस्टिवल में कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए संस्थापक व रंगकर्मी भूपेश राय, सह संस्थापक प्रियंका सरकार व विदिशा ने बताया कि 19 दिसंबर को गायक–गीतकार प्रतीक कुहाड़ और टेक्नो फ्यूजन सितार वादक चंदूलाल कलबुर्गी की जुगलबंदी से आगाज होगा। 20 दिसंबर को कवि अजहर इकबाल, कवयित्री इशिता चतुर्वेदी कविताएं सुनाएंगे। हास्य कलाकार गौरव कपूर दर्शकों को गुदगुदाएंगे तो थियेटर पसंद लोगों को फिरोज खान निर्देशित नाटक हिंद दिखाया जाएगा। यह नाटक पुलित्जर पुरस्कार विजेता नाटक फेंसेस का हिंदुस्तानी संस्करण है। फेस्टिवल में पहली बार आ रहे दक्षिण भारतीय बैंड थाईक्कडुम ब्रिज की प्रस्तुति होगी। इसी दिन मंच फनकार के तहत शहर की 20 प्रतिभाएं अपनी कला का प्रदर्शन करेंगी। 21 दिसंबर को गीतकार जावेद अख्तर के साथ लक्ष्य माहेश्वरी और राहगीर के प्रदर्शन के साथ हर्ष गुजराल हंसी ठिठोली करेंगे। थियेटर में आमिर खान के बेटे जुनैद खान अभिनीत नाटक रनवे ब्राइड्स की मेजबानी की जाएगी। डीजे करण कंचन भी प्रस्तुति देंगे। चौथे दिन साहित्य मंच पर अभिनेत्री व स्टोरी टेलर प्रिया मलिक, गायक व गीतकार रमन नेगी, कॉमेडियन रवि गुप्ता भी प्रतिभा दिखाएंगे। थियेटर मंच पर फैजे जलाली निर्देशित नाटक द एफ वर्ड का मंचन होगा। रॉक बैंड अग्नि अपनी फ्यूजन एनर्जी से महोत्सव का समापन करेगा। रेपर्टवा फेस्टिवल में एंट्री फीस 299 रुपये रखी गई है। इसमें आप फेस्टिवल का मजा ले सकेंगे। शब्द और फनकार स्टेज समेत फूड एंड बाजार का लुत्फ भी ले सकेंगे। थियेटर, म्यूजिक व कॉमेडी शो देखने के लिए अलग से 499 रुपये का टिकट लगेगा। बच्चों के लिए बने किड जोन के लिए 399 रुपये प्रति घंटे शुल्क लिया जाएगा।

इस बार परीक्षा केंद्रों में लगे कैमरे आवाज भी करेंगे कैद

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार से शुरू हो रहीं विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में 30 कंप्यूटर स्क्रीन से संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जाएगी। केंद्रों पर वीडियो और ऑडियो दोनों मोड में रिकॉर्डिंग होगी। इसे लविवि के परीक्षा विभाग स्थित कंट्रोल रूम में देखा जा सकेगा। इसके जरिये किसी भी तरह संदेह होने पर कंट्रोल रूम से ही कक्ष निरीक्षकों और केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया जा सकेगा। पहली पाली में परीक्षा के लिए सुबह 7रू30 बजे से विवि में प्रवेश शुरू हो जाएगा। परीक्षा 8रू30 बजे से शुरू होगी। तीन पालियों में होने वाली परीक्षा को लेकर कुलानुशासक कार्यालय की ओर गाइडलाइन जारी की गई है। परीक्षा अवधि में परिसर में किसी भी अपरिचित व्यक्ति और वाहन के प्रवेश की मनाही होगी। शिक्षकों और विद्यार्थियों को गेट संख्या 1, 3 और 7 से प्रवेश दिया जाएगा।

जमीन विवाद में घायल रिटायर्ड होमगार्ड की मौत

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 15 दिन पहले जमीन के विवाद में हुई मारपीट में घायल रिटायर्ड होमगार्ड गंगा प्रसाद ने रविवार रात अस्पताल में दम तोड़ दिया। परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार को सोनवा–भैंसामऊ रोड पर शव रखकर चार घंटे तक प्रदर्शन किया। घरवालों ने मामले में प्रधान समेत छह लोगों को गिरफ्तार करने की मांग की। एसडीएम सतीश चंद्र त्रिपाठी व एसीपी बीकेटी रिषभ रुणवाल ने आरोपियों की गिरफ्तारी की फोटो दिखा लोगों को शांत कराया। महिगवां के सोनवा गांव निवासी गंगा प्रसाद और प्रधान अशोक गिरि का 30 नवंबर को दो सौ वर्गफीट जमीन के लिए विवाद हो गया था। मारपीट के दौरान प्रधान व उसके घरवालों ने रिटायर्ड होमगार्ड के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया था। गाड़ियां व दुकान का सामान तोड़ दिया था। पथराव भी किया था। गंगा प्रसाद को छत पर फेंक दिया था। इसके सभी भाग निकले थे। पिटाई में गंगा प्रसाद के दोनों बेटे रंजीत और मोहित भी घायल हो गए थे। हालत गंभीर होने पर बहू संध्या ने ससुर गंगासागर का अस्पताल में भर्ती कराया था। पोस्टमार्टम हाउस से सोमवार को जैसे ही शव घर पहुंचा तो परिजन व ग्रामीण आक्रोशित हो गए। वे शव एंबुलेंस से उतारने को तैयार नहीं हुए। पुलिस के मान मनौव्वल पर परिजनों ने शव नीचे उतारा। घर से पांच सौ मीटर दूर सड़क पर शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन पर अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। इस दौरान इटौंजा, महिंगवा और बीकेटी थाने की पुलिस मौजूद रही। इंस्पेक्टर महिंगवा शिव मंगल सिंह के मुताबिक प्रधान अशोक, संजय, मनीष, वरुण, गेंदालाल व अभय को गिरफ्तार किया गया है। रिटायर्ड होमगार्ड के बेटों का आरोप है कि आरोपी प्रधान ने पुलिस के सामने ही पिता को पीटा था। आरोप है कि अगर उस समय अगर महिगवां पुलिस ने सख्त कार्रवाई की होती तो शायद आज पिता जिंदा होते।

लड़कियों से कर रहे थे छींटाकशी, युवक ने टोंका तो दबंगों ने झोंकी फायर

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में लड़कियों से छींटाकशी करने के विरोध पर दो दबंगों ने युवक पर फायरिंग कर दी। इसमें वह बाल–बाल बच गए। इसके बाद आरोपियों ने देर रात उनके घर में आग लगा दी। घटना में पीड़ित व परिवार ने किसी तरह जान बचाई। सोमवार को पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना कृष्णानगर इलाके में रविवार की है। गोल्डन सिटी अलीनगर सुनहरा निवासी मनोज मिश्रा के मुताबिक समीम खान और योगेश यादव आए दिन लड़कियों से छेड़छाड़ और छींटाकशी करते हैं। रात नौ बजे दोनों फिर यही हरकत कर रहे थे। मनोज ने विरोध किया तो आरोपियों ने असलहे से फायरिंग कर दी। गोली उनके सिर के पास से निकल गई। इसके बाद दोनों ने ईंट से हमला कर दिया। इससे मनोज का सिर फट गया। भीड़ बढ़ने पर दोनों असलहा लहराते हुए भाग निकले। आरोप है कि रात तीन बजे दो दबंगों ने पेट्रोल डाल उनके घर में आग लगा दी। धुएं के घुटन के कारण जब मनोज व उनके परिवार की आंख खुली। शोर सुनकर पड़ोसी घर के बाहर जमा हो गए। किसी तरह मनोज ने आग बुझाई। आगजनी में गृहस्थी का काफी सामान जल गया। मनोज की सूचना पर पुलिस ने जांच पड़ताल की। एसीपी कृष्णानगर सौम्या पांडेय के मुताबिक हत्या का प्रयास समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस और सर्विलांस टीम गठित की गई है।

हजारों ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना रेलवे अंडर पास

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के बहराइच में सुहेलवा मार्ग पर रघुरामपुर के पास स्थित रेलवे अंडर पास आस–पास के गांव वालों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। लोगों की परेशानी को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में जनहित याचिका दाखिल की गई है। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने पंकज कुमार शुक्ला और अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद रेलवे विभाग और राज्य सरकार को मामले से संबंधित जानकारी हासिल करने का आदेश दिया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 23 जनवरी को नियत की है। याचिका दाखिल करने वाले अधिवक्ता अभिषेक शुक्ला ने बताया रेलवे अंडर पास के नीचे पानी भर जाने से आस–पास के गांव के आठ हजार से अधिक ग्रामीणों के लिए समस्या बन जाती है। पानी भर जाने के बाद चार महीने से ज्यादा समय के लिए मार्ग बाधित रहा। याचिका दाखिल करने वाले याची ने बताया कि मामले की शिकायत एसडीएम और संबंधित सांसद से भी की गई। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण इस समस्या से निपटने के लिए वैकल्पिक मार्ग की भी मांग कर रहे हैं।

हाईकोर्ट ने आईएएस अनिल सागर के दो फैसलों को किया निरस्त

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ स्थित इलाहाबाद हाईकोर्ट की पीठ ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर के दो फैसलों को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने याची बिल्डरों से नए अधिकारी के सामने फिर से अपील करने को कहा है। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यूजी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. व अन्य की याचिका पर यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने आईएएस अनिल सागर के फैसलों पर विरोधाभास होने पर अपर महाधिवक्ता को उनके फैसलों के बारे में शासन से रिपोर्ट मांगने के लिए निर्देशित किया था। याचिका में बताया गया कि यमुना प्राधिकरण ने लाजिक्स बिल्डर को ग्रुप हाउसिंग भूखंड का आवंटन किया था। इसकी लीज डीड 2012 में की गई थी। बिल्डर से इस भूखंड का एक हिस्सा यूजी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. ने खरीदा था। साथ ही तीन अन्य बिल्डरों ने भी भूखंड का हिस्सा खरीदा था, जिसकी लीज डीड 2014 में की गई। नियमानुसार मुख्य आवंटी बिल्डर को निर्माण व मानचित्र स्वीकृत कराने के लिए मिलने वाला दो साल का समय, उप क्रेता को दिया जाता है, लेकिन ओएसिस को छोड़कर अन्य बिल्डरों ने मानचित्र व निर्माण शुरू नहीं किया। ओएसिस बिल्डर ने निर्माण कार्य कराकर प्राधिकरण से कंप्लीशन सर्टिफिकेट (सीसी) भी प्राप्त कर ली। याचिका में कहा गया कि प्राधिकरण के चेयरमैन ने एक ही जैसे मामलों की एक ही दिन में सुनवाई करते हुए एक के पक्ष व दूसरे के विरोध में फैसला दिया। यूजी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के विरोध में फैसला होने पर याचिका उच्च न्यायालय में दाखिल की गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।